पटना ● रविवार, 21 जुलाई 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक:190 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDERNEWSMIRROR BNM to the point...

बॉर्डर न्यूज मिरर

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

"खबरों से समझौता नहीं"

धड़ल्ले से चल रही हैं बगैर लाइसेंस... 3 www. bordernewsmirror.com तापसी पन्नू स्टार फिर... 8

यूपी में नेता प्रतिपक्ष को लेकर शुरू हुई सियासत

● शिवपाल को नेता प्रतिपक्ष बनाने के बाद की स्थिति की चल रही समीक्षा ● शिवपाल यादव के साथ इंद्रजीत सरोज और रामअचल राजभर भी रेस में

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका कौन निभाएगा। यह सवाल आजकल यूपी के राजनीतिक गलियारे में खासी चर्चा में है। दरअसल, अखिलेश यादव कन्नौज से लोकसभा चुनाव जीतने के बाद लखनऊ छोड़ दिल्ली की राजनीति में सक्रिय हो चुके हैं। वह राष्ट्रीय राजनीति को साधने में जुट गए हैं। साथ ही, इंडिया गठबंधन की गांठों को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। अखिलेश यादव का लक्ष्य समाजवादी पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में लाना है। वह सपा को राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बनाना चाहते हैं। इसके लिए, अखिलेश यादव आगामी विधानसभा चुनावों पर फोकस कर रहे हैं। अखिलेश के दिल्ली जाने के बाद उत्तर प्रदेश में पार्टी की जिम्मेदारी किसी ऐसे नेता को दिए जाने की

चर्चा है जो उनके पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक यानी पीडीए पॉलिटिक्स को सीधे तौर पर साधे। हालांकि, अखिलेश यादव नेता प्रतिपक्ष की भूमिका अपने चाचा शिवपाल यादव को दे सकते हैं या नहीं। यह सवाल खूब उछल रहा है। दरअसल, 29 जुलाई से यूपी विधानसभा का मॉनसून सत्र शुरू हो रहा है। इसलिए, यह चर्चा खासी गरमा गई है। शिवपाल यादव को लेकर कई प्रकार की चर्चाएं चलती रही हैं। 2012 में पार्टी के केंद्र में अखिलेश यादव के आने के बाद शिवपाल यादव की नाराजगी सामने आई थी। यूपी विधानसभा में 2009 से 2012 तक नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाने वाले शिवपाल खुद को सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव को उत्तराधिकारी मानने लगे थे।

गुजरात से लेकर ओडिशा तक भारी बारिश के बन रहे आसार

इन राज्यों के लिए अगले 24 घंटे बहुत भारी! जमकर बरसेंगे बदरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मॉनसून की एंट्री के बाद से दिल्ली-एनसीआर में लोग लगातार झमाझम बारिश का इंतजार कर रहे। बरसात तो हो रही लेकिन मूसलाधार बारिश जैसी तस्वीर नजर नहीं। इस बीच मौसम विभाग ने देश के अलग-अलग राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

गुजरात से लेकर ओडिशा तक, पूरा मध्य भारत और दक्षिण प्रायद्वीपीय इलाका रविवार यानी 21 जुलाई तक भारी बारिश की चपेट में रहेगा। हालांकि, केरल और तमिलनाडु में इस दौरान बारिश का खास असर नहीं दिखेगा। मौसम विभाग ने महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना समेत कई इलाकों में बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है।

ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश समेत आस-पास के राज्यों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। भारी बारिश को लेकर ये अलर्ट बंगाल की खाड़ी में हुए अहम बदलाव की वजह से हुआ है। आईएमडी के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में सोमवार को बना कम दबाव का क्षेत्र मंगलवार सुबह एक डिप्रेशन में बदल गया। ये सिस्टम पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी की ओर, ओडिशा के पास, पुरी, गोपालपुर और पारादीप के करीब पहुंच गया।

● वडोदरा में स्कूल की दीवार गिरी, 4 बच्चे घायल

गुजरात में वडोदरा के श्री नारायण स्कूल में दूसरी मंजिल पर कमरे की एक दीवार गिरने से 4 बच्चे घायल हो गए। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें 4 बच्चे बेंच सहित 10 फीट नीचे गिरते नजर आए। एक छात्र को सिर पर चोट आई है। तीन को हल्की चोटें हैं। यह घटना शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 बजे की है। इसके बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस को बुलाया गया। पुलिस ने बताया कि दीवार के ठीक पीछे एक शेड था। बच्चे पहले शेड पर गिरे। उसके बाद नीचे जमीन पर आए। इस कारण उन्हें गंभीर चोटें नहीं आईं। दीवार गिरने के कारण का पता लगाया जा रहा है। उधर, वडोदरा पेरेंट्स एसोसिएशन ने आज शनिवार को स्कूल संचालक के खिलाफ प्रदर्शन करने का फैसला लिया है। मामले को लेकर केस दर्ज भी कराया जा सकता है। पुलिस ने घायल बच्चों, उनके परिजनों और स्कूल प्रबंधन का बयान दर्ज किया है। घटना के बाद से अभी तक शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की तरफ से कोई बयान दिया गया है। स्थानीय लोगों ने कहा था कि पुरानी इमारत होने की वजह से यह हादसा हुआ। हालांकि, स्कूल प्रशासन का कहना है कि उनके पास सभी जरूरी दस्तावेज है।

यूपीएससी के चेयरमैन मनोज सोनी ने अचानक दिया इस्तीफा

● बाकी था 5 साल का कार्यकाल, निजी कारणों का दिया हवाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूजा खेडकर के विवाद के बीच यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) के चेयरैन मनोज सोनी ने इस्तीफा दे दिया है। उनका कार्यकाल 2029 में खत्म होने वाला था। निजी कारणों का हवाला देते हुए पांच साल पहले ही उन्होंने पद छोड़ दिया है। इंडिया टुडे की

रिपोर्ट में बताया गया है कि मनोज सैनी के इस्तीफे का संबंध पूजा खेडकर के विवाद से नहीं है। जानकारी के मुताबिक मनोज सोनी ने राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। सोनी ने 2017 में सदस्य के तौर पर कमीशन जॉइन किया था। वहीं 16 मई 2023 को वह यूपीएससी के चेयरमैन बनाए गए। द हिंदू की मानें तो एक महीने पहले ही वह इस्तीफा दे चुके हैं।

नीट यूजी का सिटी और सेंटर वाइज रिजल्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने शनिवार 20 जुलाई को नीट यूजी एग्जाम का सिटी और सेंटरवाइज रिजल्ट जारी कर दिया। रिजल्ट ऑफिशियल वेबसाइट पर रिलीज हुआ है। इसमें कैंडिडेट्स की पहचान जाहिर नहीं की गई है। 18 जुलाई को नीट विवाद पर सीजेआई की बेंच के सामने हुई तीसरी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हुई थी। कोर्ट ने एनटीए को निर्देश दिया था कि सभी कैंडिडेट्स के रिजल्ट शनिवार दोपहर 12 बजे तक वेबसाइट पर अपलोड किए जाएं। कोर्ट ने कहा था– रिजल्ट अपलोड करते वक्त उम्मीदवार की पहचान जाहिर ना की जाए। हम सोमवार 22 जुलाई को सुबह 10.30 बजे अगली सुनवाई शुरू करेंगे। ताकि दोपहर तक हम निष्कर्ष निकाल सकें। हम बिहार पुलिस रिपोर्ट की एक कॉपी भी चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार तक काउंसलिंग पर रोक लगाने से भी इनकार किया था। सुनवाई के दौरान सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था– काउंसलिंग में कुछ समय लगेगा। यह 24 जुलाई के आसपास शुरू होगी। सीजेआई ने कहा – हम सोमवार को ही सुनवाई करेंगे। नीट में गड़बड़ी से जुड़ी 40 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को तीसरी सुनवाई थी।

बड़ा दावा ! मैं जल्द ही दोबारा वाशिम आऊंगी

मुंबई (एजेंसी)। नखरेबाज प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर की लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी मसूरी के एक पत्र के बाद वाशिम में उनकी ट्रेनिंग रोक दी गई। इसके बाद वह वाशिम से अपने घर के लिए रवाना हो गईं। उनसे जब इसके बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं जल्द ही दोबारा

वाशिम आऊंगी। आपको बता दें कि खेडकर को प्रशिक्षण के लिए 11 जुलाई को वाशिम जिले में भेजा गया था। इनकी ट्रेनिंग अवधि 31 मार्च तक थी। पहले दो दिन वाशिम में काम करने के बाद उन्हें 15 से 19 जुलाई तक अकोला के आदिवासी प्रभाग में भेजने का निर्णय लिया गया। सोमवार देर रात महिला पुलिस की एक टीम उस रेस्ट हाउस पहुंची, जहां खेडकर ठहरी हुई थी। टीम वहां तीन घंटे तक रही। खेडकर का कहना है कि उन्होंने ही पुलिस को बुलाया था। इस दौरान संभाजी ब्रिगेड के कार्यकर्ता खेडकर के विरोध में आ गए। वहीं, ओबीसी संगठन उनका समर्थन कर रहे हैं। इस सबके बीच वाशिम में उनका प्रशिक्षण निलंबित कर दिया गया।

पाकिस्तानी सेना के पूर्व जवान भी बने आतंकी !

सीमा पार मिलती है फुल ट्रेनिंग; खुफिया अधिकारियों का बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में बढ़ते आतंकवादी हमलों के पीछे सामान्य आतंकवादी नहीं हैं बल्कि ये पाकिस्तानी सेना के पूर्व जवान भी हो सकते हैं। खुफिया विभाग के अधिकारियों ने बात करते हुए हैरान करने वाली बातें बताई हैं। जिस तरह से आतंकवादी अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि पाकिस्तानी सेना इनकी पूरी मदद करती है और इन्हें प्रशिक्षण भी देती है। आतंकियों के पास एम-4 यूएस कार्बाइन, चीनी स्टील कोर बुलेट और अन्य आधुनिक हथियार उपलब्ध हैं। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि 20 अप्रैल 2023 में पुंछ में सेना के ट्रक पर आतंकियों ने हमला किया था। तब पहली बार आतंकियों ने चीनी स्टील कोर बुलेट और एम4 कार्बाइन का इस्तेमाल किया था। इस हमले में पांच जवान शहीद हो गए थे। उन्होंने कहा, हम पुष्टि तो नहीं कर सकते लेकिन आतंकियों में पाकिस्तानी सेना के पूर्व जवानों के शामिल होने की पूरी आशंका है। जिस तरह से वे गुरिल्ला तकनीक का इस्तेमाल करते हैं और सेना के जवानों को निशाना बनाते हैं उससे स्पष्ट है कि ये आतंकी अच्छी तरह प्रशिक्षित करके भेजे गए हैं। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि या तो वे पाकिस्तानी सेना के रिटायर्ड जवान हं या फिर गुरिल्ला युद्ध के लिए तैयार किए गए आतंकी। घने जंगलों में आतंकियों के पास अत्याधुनिक हथियार होने की वजह से उनका मुकाबला करने में भी परेशानी का

सामना करना पड़ता है। बता दें कि एम4 कार्बाइन अमेरिका ने 1980 में विकसित की थी। यह एम16ए2 का छोटा वर्जन है। अमेरिकी सेना इसका इस्तेमाल करती थी। चीनी स्टील कोर बुलेट मेटल जैकेट से बनी होती है। यह गोली बहुत ही शार्प होती है और लगने के बाद जान बचने की संभावना कम रहती है।

पूर्व डीजीपी एसपी वैद ने कहा, जम्मू-कश्मीर में हालात बेहद गंभीर हैं और चिंता का विषय हैं। पाकिस्तान की सेना या फिर पूर्व जवानों से इन आतंकियों को पूरी मदद मिल रही है। वहीं जम्मू-कश्मीर के स्थानीय आतंकी भी इनका साथ देते हैं। बहुत सारे आतंकी पहले से ही घुसपैठ करके जम्मू-कश्मीर में अपना ठिकाना बना चुके हैं। जानकारी मिली है कि अफगानिस्तान में अमेरिका की सेना जो हथियार छोड़ गई है उनका इस्तेमाल अब जम्मू-कश्मीर में हो रहा है। पाकिस्तान के रास्ते ये हथियार जम्मू-कश्मीर में सप्लाई किए जा रहे हैं। पीर पंजाल के जंगलों में आतंकियों ने ठिकाना बना लिया है और राजौरी, पुंछ सेक्टर में वे अकसर हमले करते हैं। बता दें कि आतंकियों का सफाया करने के लिए सेना ने 3 हजार अतिरिक्त जवान उतार दिए हैं।

बीआरएस ने कमाए सबसे अधिक टीएमसी ने किया खर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपया की तुलना में छोटे दलों की खर्चे से अधिक उनकी आमदनी हो गई है। बीआरएस ने सबसे अधिक चंदा हासिल किया है। वहीं, खर्च करने वाली छोटी पार्टियों में ममता बनर्जी की टीएमसी सबसे ऊपर है। एडीआर की रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है कि देशभर के क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के खर्च

आय की तुलना में एक चौथाई से भी कम है। इसके मुताबिक, वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में 2022-23 में क्षेत्रीय दलों की आय में भी वृद्धि हुई है। भारतीय राजनीति और चुनाव प्रक्रिया पर नजर रखने वाली गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने यह रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के लिए आयोग में पेश 57 क्षेत्रीय राजनीतिक दलों में से 39 की ऑडिट रिपोर्ट का विश्लेषण किया गया है। इसमें कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में 39 क्षेत्रीय दलों की कुल आय 1740 करोड़ रुपये है, जो पिछले की तुलना में 20 करोड़ रुपये अधिक है।

अब अयोध्या में सड़क पर उतरे एनएसजी कमांडो, की रिहर्सल

● बख्तरबंद गाड़ियां लेकर पहुंचे राम मंदिर, आतंकियों से निपटने की मॉक ड्रिल

अयोध्या (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के कमांडो ने शुक्रवार रात अयोध्या में मॉक ड्रिल की। एनएसजी पुलिस, सेना की टुकड़ी के साथ सड़क पर उतरी। बख्तरबंद गाड़ियों के काफिले के साथ रामपथ से निकली। टेढ़ी बाजार में थोड़ी देर रुकने के बाद कमांडो आगे बढ़े। राम जन्मभूमि परिसर के गेट नंबर 11 से जवान श्रीराम जन्मभूमि परिसर में दाखिल हुए। काफिले में पुलिस के अलावा प्रशासन के अधिकारी, एंबुलेंस और आपात व्यवस्था से जुड़े अन्य वाहन भी शामिल रहे। रूट खाली कराने के लिए आगे ट्रैफिक पुलिस चल रही थी। जवानों ने इमरजेंसी में सुरक्षा संभालने या आतंकियों से निपटने का रिहर्सल भी किया। एनएसजी के जवान 17 जुलाई को यहां पहुंचे थे। दो दिन की गोपनीय बैठक और सादी वर्दी में प्रमुख जगहों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। तीसरे दिन यानी शुक्रवार रात पूरी मुस्तैदी से सुरक्षा में उतरे। मॉक ड्रिल करते हुए एनएसजी कमांडो हनुमानगढ़ी पहुंचे। इसके बाद दशरथ महल होते हुए भक्ति पथ चले गए। मॉक ड्रिल रात करीब 10 बजे शुरू होकर 11 बजे तक चली।

एनडीए में 100 प्लस तो एमवीए में 125 से 150 पर रार

● महाराष्ट्र में सीटों को लेकर दोनों तरफ से जोरआजमाईश शुरू, होगा खेला

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, वैसे-वैसे राज्य के दोनों गठबंधनों (सत्ताधारी महायुति और विपक्षी महा विकास अघाड़ी) के अंदर की गांठें खुलने लगी हैं। इससे संकेत मिल रहे हैं कि दोनों ही तरफ सीटों का बंटवारा आसान नहीं होने वाला है। दोनों धड़ों के सभी सहयोगी दल 100 से ज्यादा सीटों की मांग कर रहे हैं और अपने दावों पर अड़ते दिख रहे हैं।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सरकारी आवास पर गुरुवार को हुई बैठक में इस बात की चर्चा जोर-शोर से उठी कि पार्टी को आगामी चुनावों में 100 से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए।

गुजरात में भी पूजा खेडकर जैसा कांड, जांच हो गई शुरू

● राज्य सरकार ने चार विकलांग आईएएस के मामले में शुरू की जांच

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की चर्चित ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर का फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद गुजरात सरकार ने अपने स्तर पर चार आईएएस अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू की है। गुजरात कैडर के यह इन सभी अधिकारियों ने विकलांगता सर्टिफिकेट के जरिए आईएएस में चयन हासिल किया है। गुजरात सरकार के समान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) की तरफ से जिन चार आईएएस के खिलाफ जांच शुरू की गई है। उनमें तीन जूनियर और एक सीनियर लेवल के अधिकारी हैं। पूजा खेडकर विवाद के बाद गुजरात सरकार इस मामले में काफी सतर्क दिख रही है। रिपोर्ट के मुताबिक सीएम कार्यालय ने गुजरात सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग

द्वारा शुरू की गई जांच में कोई भी शंका नहीं छोड़ने का भी निर्देश दिया है। एक सूत्र ने कहा कि प्रारंभिक जांच के बाद चार आईएएस अधिकारियों को शॉर्टलिस्ट किया गया था, जिनके विकलांगता प्रमाणपत्रों की जांच की जा रही है। सूत्रों का यह भी दावा है कि एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ने विकलांगता प्रमाण पत्र जमा किया था, लेकिन जांच के दौरान पता चला कि अधिकारी को फिलहाल कोई विकलांगता नहीं है। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, इस मामले में यह संभावना है कि संबंधित अधिकारी ने जब अपनी सेवा शुरू की थी, तब वह विकलांगता से ग्रस्त रहा होगा, जो समय के साथ ठीक हो गया होगा।

संक्षिप्त समाचार

कोपा में प्रेम प्रसंग को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प, तीन घायल, दो गिरफ्तार

छपरा, एजेंसी। एक प्रतिनिधि। जलालपुर प्रखंड के कोपा थाना क्षेत्र के कोपा दक्षिण टोला में प्रेम प्रसंग को लेकर शुक्रवार को हिंसक झड़प हो गई जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए छपरा सदर अस्पताल में भेजा गया है। वहीं पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार प्रेमी-प्रेमिका एक कंप्यूटर कोचिंग संस्थान के अंदर जैसे ही घुसे कि एक पक्ष के लोगों ने उन्हें घेर लिया। सूचना के बाद पहुंचे प्रेमी के भाई को मारपीट कर घायल कर दिया। इसके बाद दोनों पक्ष के लोग लाठी डंडे व घातक हथियार के साथ भिड़ गए जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सैकड़ों की तादाद में जुटे आक्रोशित लोगों को नियंत्रित करने के लिए कोपा पुलिस के अलावा जलालपुर, दाउदपुर व अन्य थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंच कर स्थिति को नियंत्रित किया। सूचना के बाद पहुंचे सदर एसडीओ संजय कुमार राय व अन्य वरीय अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया। कोपा थानाध्यक्ष लालबाबू प्रसाद ने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है तथा घटना स्थल पर पुलिस कैंप कर रही है। लड़की के बयान पर स्थानीय थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। एसपी डॉ कुमार आशीष ने बताया कि कोपा दक्षिण टोला निवासी दो युवक एक लड़की के साथ आपत्तिजनक स्थिति में मिले थे। उन्होंने बताया कि एक युवक का उस लड़की का प्रेम पिछले एक साल से चल रहा था। इस मामले में लोगों के हो-हल्ला को देखकर कोपा में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। वहीं किसी भी तरह का अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई का भी आदेश दिया गया है। एसपी ने कहा कि सोशल मीडिया या किसी भी प्लेटफार्म पर आकर कोई आपत्तिजनक या भडकाऊ पोस्ट करते हैं या लिखते हैं तो उनके विरुद्ध साइबर थाने के पुलिस एफआईआर दर्ज करेगी। फिलहाल स्थिति सामान्य है। इधर लोगों द्वारा पुलिस की गाड़ी में तोड़फोड़ की चर्चा है पर पुलिस इनकार कर रही है।

डाक चौपाल में दी गयी योजनाओं की जानकारी

छपरा, एजेंसी। डाक विभाग सारण प्रमंडल के मढौरा,एकमा तथा केंद्रीय सबडिवीजन के अलावे अन्य स्थानो पर शुक्रवार को डाक चौपाल का आयोजन किया गया।मढौरा अनुमंडल अंतर्गत अमनौर पोखरा के समीप चौपाल मे डाक विभाग के पदाधिकारी के अलावा स्थानीय मुखिया के अलावा दर्जनों जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम में सहायक डाक अधीक्षक दीपक साह ने डाक विभाग से जुड़ी विभिन्न जनहितैषी एवं लाभदायक योजनाएं जैसे- बचत खाता, आवर्ती जमा खाता, सावधि जमा खाता, मासिक आय योजना खाता, वरिष्ठ नागरिक बचत खाता, आई.पी.पी.बी. खाता, डाक जीवन बीमा, ग्रामीण डाक जीवन बीमा इत्यादि की जानकारी दी गई। अपहर के डाक सहायक रजनीश कुमार सिंह, भारतेंदु विमल, करण कुमार मनीष कुमार सिंह सुबोध कुमार सिंह आदि ने डाक विभाग से जुड़ी योजनाओं, बीमा योजनाओं एवं इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डाक विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विभाग की योजनाओं से जुड़ी जानकारी पर विस्तार से चर्चा करते हुए लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मढौरा के डाकपाल सच्चिदानंद शर्मा अमनौर के उप डाकपाल संजय सिंह शाखा डाकपाल हरेश्वर सिंह मुरली मनोहर सिंह मिंटू कुमार प्रताप मनी समेत डाककर्मी मौजूद रहे।

सरकारी दफ्तर में बिचौलिया दिखे तो अविलंब करें कार्रवाई : डीएम

पूर्णिया, एजेंसी। जिला पदाधिकारी द्वारा सभी अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि कहीं पर अगर कोई बिचौलिया पाया जाता है तो उस पर अविलंब कारवाई करें। जिला पदाधिकारी द्वारा सभी अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाएं आम लोगों के लिए है। उन्हें इसका सही तरीके से शत प्रतिशत लाभ मिले। इसे सुनिश्चित करना सभी का कर्तव्य है। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं है। जिला पदाधिकारी कुन्दन कुमार द्वारा सभी अनुमंडल पदाधिकारी के साथ विधि व्यवस्था की समीक्षात्मक बैठक की गयी। बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी द्वारा सभी अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया गया की अपने अपने क्षेत्रों में सरकार द्वारा चलाए जा रहे सभी योजनाएं के सही तरीके से क्रियान्वयन को इसकी सतत निगरानी करना सुनिश्चित करेंगे।

लापरवाह पुलिसकर्मियों को अल्टीमेटम नाइट पेट्रोलिंग पर जोर

कानून व्यवस्था की रिव्यू मीटिंग में मुख्यमंत्री नीतीश के सख्त तेवर

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि अपराध काबू करने में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट कर दिया कि विधि व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। लिहाजा, कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिए पुलिस और प्रशासन मुश्तैदी से कार्य करें और अपराध नियंत्रण के लिए पूरी सख्ती से कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को एक, अणे मार्ग स्थित संकल्प में विधि व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इसमें उन्होंने लापरवाह पुलिसकर्मियों को चेतावनी भी दी और कहा कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों पर सख्त कार्रवाई होगी। गश्ती में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतें। रात्रि गश्ती और तेज करें। रात्रि एवं पैदल गश्ती को और प्रभावी बनाने के लिये वरीय पदाधिकारी क्षेत्र में जाकर रात्रि में स्वयं औचक निरीक्षण करें। नीतीश कुमार ने कहा कि 60 प्रतिशत से अधिक हत्याएं भूमि विवाद के कारण होती हैं, जो अब घट रही हैं। जानकारी दी गयी है कि यह घटकर 46.69 प्रतिशत हो गई हैं। यह अच्छी बात है। जमीन सर्वे व सेटलमेंट का काम तेजी से पूर्ण हो ताकि भूमि विवाद को लेकर होने वाली अपराध की घटनाओं में पूरी तरह कमी आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शराबबंदी के क्रियान्वयन पर विशेष नजर रखें, गड़बड़ी करने वालों को चिह्नित कर कार्रवाई करें। इसमें जो पदाधिकारी संलिप्त हैं, उनको भी चिह्नित कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें। इसी तरह अवैध खनन को रोकने के लिये सख्ती से कार्रवाई सुनिश्चित की जाय। बिहार में साम्प्रदायिक सद्भाव का माहौल कायम है। इसके लिये पुलिसकर्मियों ने अच्छा काम किया है। प्रशासन और पुलिस पूरी मुश्तैदी के साथ असामाजिक तत्वों पर नजर बनाये रखें।

डायल 112 सेवा पूरे राज्य में 20 मिनट के अंदर : डीजीपी

बैठक में मुख्यमंत्री को गृह विभाग के प्रधान सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने गृह विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों के संबंध में जबकि डीजीपी आर.एस. भट्टी ने अपराध नियंत्रण को लेकर किए जा रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। डीजीपी ने बताया कि पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ लगातार काम कर रही है। अनुसंधान के कार्य भी तेजी से किए जा रहे हैं ताकि दोषियों को शीघ्र सजा मिल सके। समाधान पोर्टल के माध्यम से भूमि जनित मामलों का निरंतर अनुश्रवण कर समाधान किया जा रहा है, जिससे भूमि विवाद में कमी हो रही है। पहले जितनी हत्याएं होती थीं, 60 प्रतिशत हत्याएं भूमि विवाद के कारण होती थीं, अब यह घटकर 46.69 प्रतिशत हो गयी हैं। डायल 112 सेवा पूरे राज्य में 20 मिनट के अंदर लोगों को उपलब्ध होने से नागरिकों को बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध हो रही है।

बैठक में ये थे मौजूद

मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ व सचिव अनुपम कुमार, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के सचिव विनोद सिंह गुंजियाल, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पुलिस महानिदेशक सह पुलिस भवन निर्माण निगम के अध्यक्ष विनय कुमार, पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) प्रीता वर्मा, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस के पुलिस महानिदेशक ए.के. अंबेडकर, एडीजी (मुख्यालय) जे.एस. गंगवार, एडीजी (विशेष शाखा) सुनील कुमार, एडीजी (विधि व्यवस्था) संजय सिंह, एडीजी (मद्य निषेध) सुशील खोपड़े, एडीजी (अभियान) अमृत राज, गृह विभाग के सचिव प्रणव कुमार के अलावा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रमण्डलीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस उप महानिरीक्षक, जिलों के जिलाधिकारी, एसएसपी-एसपी बैठक में मौजूद थे।

1.22 लाख पुलिस की नियुक्ति शीघ्र करें

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को 1.22 लाख पुलिसकर्मियों की नियुक्ति शीघ्र करने का निर्देश दिया। कहा कि बिहार पुलिस की संख्या बढ़ाने के लिये विभिन्न श्रेणियों में 229139 पद स्वीकृत किये जा चुके हैं। 106436 पुलिसकर्मी कार्यरत हैं। शेष रिक्त पदों पर बहाली शीघ्र करें।

हर थाने में पदस्थापित करें महिला पदाधिकारी-कर्मी

सीएम ने कहा कि हर थाने में महिला पदाधिकारी एवं महिला पुलिस कर्मियों का पदस्थापन सुनिश्चित किया जाय। थाने में आने वाले आगंतुकों के साथ अच्छा व्यवहार हो, उनकी बातें सुनी जाय, यह सुनिश्चित किया जाय। हमने वर्ष 2013 से ही पुलिस में महिलाओं के लिये 35 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है। अभी बिहार पुलिस में महिलाओं की संख्या लगभग 30 हजार हो गयी है। बिहार पुलिस में महिलाओं की भागीदारी देश में सबसे ज्यादा है। पुलिस बल में महिलाओं की संख्या बढ़ने से थानों में जो महिलायें शिकायत लेकर आतीं हैं, उन्हें समस्याओं के समाधान में सहूलियत हो रही है और उनका आत्मविश्वास बढ़ रहा है।

राजधानी और अवध-असम पर पत्थरबाजी करने वाले 4 गिफ्तार, बताया- ट्रेन पर क्यों किया हमला

पटना, एजेंसी। बिहार में राजधानी एक्सप्रेस और अवध-असम एक्सप्रेस पर हुई पत्थरबाजी की घटना के बाद आरपीएफ और जीआरपी हरकत में आ गयी है। गुरुवार की शाम से लेकर देर रात के बीच दोनों ट्रेनों पर पत्थरबाजी करने के आरोपी चार युवकों को मुजफ्फरपुर के तुर्की से गिरफ्तार किया है। सभी ने नशे की हालत में ट्रेनों पर पत्थरबाजी करने की बात कबूली है। इसके बाद आरपीएफ ने चारों को शुक्रवार को सोनपुर स्थित रेल कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरातस में भेज दिया। इसकी पुष्ट आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक भरत कुमार ने की है। बुधवार को राजधानी एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी की घटना हुई। फिर शुक्रवार को उसी रूट पर अवध असम एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी हुई। इस घटना के बाद आरपीएफ और जीआरपी ने तुर्की-कुढ़नी रेलखंड पर अभियान चलाया। इस दौरान अवध असम पर पत्थरबाजी कर भाग रहे तुर्की के वार्ड नंबर दो निवासी सज्जन कुमार को दबोचा। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने साथियों के साथ लाइन किनारे बैठकर नशापान करता है। गुरुवार को भी नशा किया। इस दौरान एक ट्रेन गुजर रही थी, जिसपर रेलवे लाइन से ही पत्थर उठाकर चला दिया। संयुक्त छापेमारी टीम में आरपीएफ इंस्पेक्टर भरत कुमार, दारोगा गोकुलेश पाठक, प्रधान आरक्षी शंभुनाथ साह, सिपाही रितेश कुमार और एलबी खान के अलावा जीआरपी के पदाधिकारी व जवान शामिल थे।

बुधवार को राजधानी पर की थी पत्थरबाजी

इधर, अभियान के दौरान ही मुखबिर खास की सूचना पर तुर्की रेलखंड पर बिजली पोल संख्या 39/04 के समीप टीम पहुंची। उनलोगों को देखकर रेल लाइन पर बैठे युवक भागने लगे। इनमें से तीन को संयुक्त टीम ने दबोच लिया। प्रारंभिक पूछताछ में युवकों की पहचान तुर्की थाना क्षेत्र के तुर्की बड़कुरबा वार्ड एक के संजीव कुमार, अंकित कुमार और अजय पासवान के रूप में की गयी। इन युवकों ने भी टीम को बताया कि रेल लाइन पर नशा का सेवन किये थे। इसके बाद आम खाने की इच्छा हुई तो आम तोड़ने के लिए रेलवे लाइन से पत्थर उठाकर चलाया। इस दौरान गुजर रही ट्रेन पर जाकर लगा। यह घटना बीते बुधवार की बताई।

गिरफ्तारी की खुन्नस में कर रहे पत्थरबाजी

जानकारी के मुताबिक, बीते सप्ताह रेलवे लाइन पर चलती ट्रेन से मोबाइल छिनतई की घटना के बाद आरपीएफ ने तीन से अधिक शातिरों को पकड़ा। इसी की खुन्नस में उनके साथियों ने ट्रेनों पर पत्थरबाजी की। अब पुनः आरपीएफ व जीआरपी रेल सेक्शन में पेट्रोलिंग शुरू कर दी गई है।

मुजफ्फरपुर एसएसपी राकेश कुमार से पटना हाईकोर्ट ने मांगा हलफनामा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर के कुढ़नी प्रखंड अंतर्गत रामपुर बलड़ा के हेडमास्टर राकेश कुमार और जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार के बीच के विवाद में मुजफ्फरपुर एसएसपी से पटना हाईकोर्ट में हलफनामा मांगा गया है। एसएसपी के हलफनामे पर शनिवार को हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। इसके लिए पहले से ही तिथि निर्धारित की गई है। हाईकोर्ट में हेडमास्टर ने याचिका दाखिल की थी। दायर याचिका में पीड़ित हेडमास्टल ने पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई करने और डीईओ के साथ मिलीभगत कर उन पर कानून व प्रावधान से हटकर दमनात्मक कार्रवाई का आरोप लगाया था। इस पर हाईकोर्ट ने बीते नौ अप्रैल को ही एसएसपी से हलफनामा मांगा है। हाईकोर्ट ने आदेश में कहा है कि मुजफ्फरपुर के एसएसपी विधिवत शपथ लेकर अपना अलग से जवाबी हलफनामा दाखिल करेंगे। जवाबी हलफनामे में स्पष्ट रूप से दर्ज किया जाएगा कि कानून के अनुसार गिरफ्तारी के गैर-जमानती वारंट की मांग करने के लिए क्या मानदंड हैं। इसके अलावा, जवाबी हलफनामे में स्पष्ट रूप से दर्ज किया जाएगा कि जांच अधिकारी ने तत्काल एफआईआर दर्ज होने के एक सप्ताह के भीतर इश्तेहार की प्रक्रिया की मांग करने के लिए क्या कारण बताए थे। एसएसपी जवाबी हलफनामे में यह भी स्पष्ट करेंगे कि क्या आईओ डीईओ के इशारे पर काम कर रहा था या नहीं। यदि नहीं तो आईओ ने एफआईआर दर्ज होने के 10 दिन के भीतर गिरफ्तारी वारंट से लेकर इश्तेहार तक जारी कराने के लिए इतने प्रेरित क्यों थे। बता दें कि चार मार्च को रामपुर बलड़ा हाइस्कूल में हेडमास्टर और डीईओ के बीच विवाद हुआ था। जिसके बाद डीईओ ने एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें उन्होंने चाकू से हमला कर घायल कर देने का आरोप हेडमास्टर पर लगाया था। बताते चलें कि मुजफ्फरपुर का यह मामला सुर्खियों में था जब शिक्षकों ने जिला शिक्षा पदाधिकारी पर अवैध उगाही के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया वहीं डीईओ ने कहा था कि स्कूल के निरीक्षण के दौरान उनके साथ मारपीट की गयी।

दर्ज कांड का दस्तावेज साथ ले जाने वाले 50 दारोगा पर प्राथमिकी

गया, एजेंसी। थाने में दर्ज कांड का अनुसंधान पूरा नहीं करने और संबंधित कांड का दस्तावेज साथ लेकर चले जाने वाले पुलिस पदाधिकारियों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। एसएसपी आशीष भारती के एक्शन के बाद चंदौती, सिविल लाइन और कोतवाली थाने में कार्यरत पूर्व के थानेदारों सहित 50 दरोगा पर इन थानों में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई। जानकारी के मुताबिक चंदौती थाने में 55 कांडों का दस्तावेज अपने साथ लेकर चले जाने के मामले में चंदौती थाने में थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी फैज अहमद सबा के बयान पर पूर्व थानाध्यक्ष राजीव रंजन सिंह व पूर्व थानाध्यक्ष निशांत कुमार सहित 15 एसआई पर प्राथमिकी दर्ज की गई। सिविल लाइंस थाने में दर्ज 37 कांडों से जुड़े संबंधित दस्तावेजों के मामले में 27 एसआई पर थानाध्यक्ष शमीम अहमद के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है। कोतवाली थाने में 80 कांडों से जुड़े दस्तावेजों के मामले में 8 एसआई पर कोतवाली थानाध्यक्ष आशीष कुमार मिश्रा के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

नवगछिया में अनशन पर बैठी छात्रा बेहोश

भागलपुर/नवगछिया, एजेंसी। सात सूत्रीय मांग को लेकर अभाविप के कार्यकर्ता शुक्रवार को मदन अहिल्या महिला कॉलेज की गेट अनशन पर बैठ गए। इस दौरान एक छात्रा बेहोश हो गई। नवगछिया के सभी कॉलेज के छात्रावास शुरू करने, नवगछिया में पीजी की पढ़ाई शुरू करने, जीबी कॉलेज की चाहरदिवारी का पुनर्निर्माण, महिला कॉलेज के मैदान खेलने लायक हो आदि मांगों को लेकर अभाविप कार्यकर्ता अनशन पर बैठे। अभाविप की कॉलेज अध्यक्ष कुसुम कुमारी ने बताया कि मांगे पूरी होने तक हम सभी अनशन पर बैठे रहेंगे। अभावीप की कॉलेज मंत्री और सह मंत्री दीपा और दीक्षा भारद्वाज ने बताया कि कुलपति के द्वारा बार-बार आश्वासन दिया जाता है कि छात्रावास चालू कर दिया जाएगा लेकिन यह अबतक शुरू नहीं हो पाया है। अभाविप के अनुज चौरसिया ने बताया कि अभाविप की एक कार्यकर्ता अनशन स्थल पर बेहोश हो गई लेकिन कॉलेज और

महाविद्यालय प्रशासन का एक भी पदाधिकारी छात्रा को देखने तक नहीं आया। गुस्साए कार्यकर्ताओं ने कॉलेज के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया। मौके पर पंकज यादव, विश्वास वैभव, साक्षी, कुसुम, शुभम, निकेता, खुशी, मिष्टी, पल्लवी, चंचल, अलका, पुनम, रेणु, अन्नु, डोली निधि, आंचल आदि मौजूद थे

श्रावणी मेला: पहलेजा घाट से गंगाजल लेकर पहला जत्था रवाना, 22 जुलाई को बाबा गरीबनाथ का जलाभिषेक करेंगे

पटना, एजेंसी। 22 जुलाई से पवित्र श्रावणी मेला शुरू हो रहा है। सावन की पहली सोमवारी पर बाबा गरीबनाथ का जलाभिषेक करने के लिए शुक्रवार की शाम कांवरियों का पहला जत्था पहलेजा घाट से गंगाजल लेकर रवाना हो गया। शनिवार की शाम तक कांवरियों का जत्था वैशाली सीमा के विभिन्न क्षेत्रों में ही रहेगा। इस दिन रात से कांवरिये मुजफ्परपुर की सीमा में प्रवेश करने लगेंगे।

पहलेजा जाने से पूर्व सुबह में कांवरियों का जत्था गेरुआ वस्त्रत् धारण कर कंधे पर कांवर और हाथों में कलश लेकर बाबा गरीबनाथ मंदिर पहुंचे। यहां पूजा करने के बाद मंदिर के पुजारी ने कांवरियों को चंदन टीका लगाकर रवाना किया। वहीं दूसरी ओर श्रावणी मेला में इस बार सीसीटीवी के साथ-साथ ड्रोन कैमरे से भी भीड़ की निगरानी होगी। सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन का सर्वर एआई तकनीक से जोड़ा जाएगा, ताकि भीड़ नियंत्रण के लिए उपाय तुरंत किये जा सके। पहली बार गंगा स्नान के समय घाट पर लॉकर की भी सुविधा दी जाएगी।

मेले के दौरान बच्चों को पिलायी जाएगी पोलियो की खुराक

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने शुक्रवार को कहा कि 22 जुलाई से शुरू हो रहे श्रावणी मेला में स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट रहेगा। इस दौरान सैकड़ों शिविरों में आपातकाल से लेकर सामान्य अवस्था वाली चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसी क्रम में पांच साल तक के बच्चों को विशेष अभियान के तहत पोलियो खुराक पिलायी जाएगी। बयान में मंत्री ने कहा कि श्रावणी मेला के दौरान हजारों श्रद्धालु भारत के विभिन्न राज्यों एवं पड़ोसी देश नेपाल से देवघर जाने के लिए भागलपुर, मुंगेर और बांका जिला से गुजरेंगे। इस मौके पर उनके साथ छोटे बच्चे भी होंगे। ऐसी स्थिति में इन तीन जिलों में 22 जुलाई से 19 अगस्त तक पल्स पोलियो का विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारत के साथ ही 10 दक्षिण पूर्व एशियाई देशों को पोलियो मुक्त घोषित कर दिया गया है। जबकि वर्ष 2024 में पड़ोसी देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पांच-पाच पोलियों के मरीज पाए गए हैं। ऐसी स्थिति में राज्य में पोलियो के संक्रमण का खतरा बना हुआ है।

डेढ़ दर्जन बीपीएससी अधिकारियों की तैनाती

कांवर यात्रा के दौरान कांवरियों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसका ध्यान रखते हुए सरकार ने हर स्तर की व्यवस्था की है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बिहार प्रशासनिक सेवा (बिप्रसे) के डेढ़ दर्जन अधिकारियों की तैनाती की गई है। इन सभी अधिकारियों को भागलपुर व बांका समाहरणालय में प्रतिनियुक्ति किया है।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

धड़ल्ले से चल रही हैं बगैर लाइसेंस की खाद-बीज की दुकानें

नीरज आनंद

- विभागीय कार्रवाई न होने से गैर लाइसेंसी कारोबार करने वालों के हौसले बुलंद
- गैर लाइसेंसी खाद दुकान में नकली खाद बीज का भी खूब हो रहा है धंधा

मोतिहारी। जिले के सभी प्रखंड क्षेत्र में कृषि विभाग की लापरवाही के कारण शहर से ग्रामीण इलाके तक उर्वरक बीज की दुकानें बिना लाइसेंस के खुल गई हैं। यहां किसानों को दिनदहाड़े चूना लगाया जा रहा है। अफसरों के कार्रवाई न करने से दुकानदारों के हौसले बुलंद हैं। यह दुकानदार बीज, रासायनिक व कीटनाशक को अधिक दाम में बेच रहे हैं। गैर लाइसेंसी खाद बीज की दुकानों में नकली खाद का भी कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। नकली खाद के कारण किसान त्रस्त हो रहे हैं, वहीं कारोबारी मालामाल होते जा रहे हैं। इधर कृषि विभाग पूर्वी चम्पारण जिले में लाइसेंसधारी उर्वरक दुकानों की संख्या बताने में भी आनाकानी कर रही है। डीलर के माध्यम से बीज दुकानों पर बीज, रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं की आपूर्ति की जाती है। इसके बाद बीज दुकानदार किसानों को बेचते हैं। डीलर व दुकानदारों को इसकी बिक्री करने के लिए कृषि विभाग लाइसेंस जारी करता है। वर्तमान में कई दुकानों में अवैध रूप से कई डीलर व दुकानदार बीज, रासायनिक खाद, कीटनाशक व कृषि संबंधी उपकरण की खुलेआम बिक्री हो रही हैं। शहर हो या गांव इनकी संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। इसका खामियाजा किसानों को उठाना पड़ रहा है। अशिक्षा व जागरूकता के अभाव में बीज दुकानदार इनसे मनमर्जी रकम वसूल रहे हैं। इसकी जानकारी अफसरों को भी है लेकिन सब अनजान बने हुए हैं। सूत्र बताते हैं कि इसके बदले हर माह मोटी रकम कृषि विभाग के अधिकारियों तक पहुंचती है। जिले में अवैध रूप से संचालित हो रही गैर लाइसेंसी खाद बीज व कीटनाशक दुकानों को लेकर किसानों में भी आक्रोश व्याप्त है किसानों का कहना है कि गैर लाइसेंसी दुकानें सीधे तौर पर किसान को नुकसान पहुंचा रहे हैं। विभाग ऐसे दुकानों के खिलाफ अभियान चलाकर करवाई करें। हरसिद्धि के किसान जनार्दन यादव ने कहा कि पहले खाद बीज व कीटनाशक की दुकानें की संख्या कम थी। लेकिन धीरे-धीरे लगातार इसमें इजाफा होती जा रही है। कौन सा दुकान लाइसेंसी है और कौन सा दुकान गैर लाइसेंसी है यह दुकान के आगे भी अब नहीं लिखा रहता है, न हीं लाइसेंस का बोर्ड लगा हुआ रहता है। सभी दुकानदार अपने आप को लाइसेंसी दुकान ही बताते हैं। पिपराकोठी के किसान ने कहा कि यह लाइसेंसी दुकानों को लेकर पूर्व में भी कृषि विभाग के पदाधिकारी को शिकायत किया गया था लेकिन विभाग के द्वारा कार्यवाही वह अभियान नहीं चलाने के कारण यह लाइसेंसी दुकानों के हौसले बुलंद है। आदापुर के किसान संजीव जायसवाल ने कहा कि कृषि विभाग के द्वारा पिछले साल आदापुर क्षेत्र में कार्रवाई भी की गई थी। जिसके बाद नकली खाद बनाने वाले व गैर लाइसेंसी दुकानों में कमी हुई है लेकिन या अभियान निरंतर नहीं चलने के कारण लगातार दुकानें खुल रही है। तुरकौलिया के किसान सुमन कुमार, सपही के किसान पंकज सिंह आदि ने कहा कि एक ओर मौसम की मार तो दूसरी ओर गैर लाइसेंसी दुकानों में मनमाना राशि पर बिक्री व नकली खाद बीज के कारोबार से किसान दोहरी मार झेल रहे है। विभाग से कड़ी कार्रवाई की जरुरत है। पूर्वी चम्पारण जिले में 27 प्रखंड व 396 पंचायत है वही एक नगर निगम तथा 6 नगर पंचायत भी है। गैर लाइसेंसी दुकानें संचालित होने की उन्हें भी शिकायत प्राप्त हुई है। मामले में जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह ने कहा कि टीम गठित किया गया है। प्रत्येक पंचायत में लाइसेंसी दुकानों की जांच कर रोजाना रिपोर्ट समर्पित करेंगे। गैर लाइसेंसी दुकानों पर अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

70 वर्षों के बाद दुर्लभ संयोग से शुरु हो रहा है यह श्रावण मास- सीकरीया

मनोकामना सिद्ध हनुमान आश्रम में प्रत्येक सोमवार को सुबह प्रातः 08 बजे से आचार्य द्वारा षटटांग रूद्राभिषेक निःशुल्क कंठस्त कराया जायेगा

बीएनएम। मोतिहारी

चक्रवती सम्राट धर्म विभूषण से सम्मानित आचार्य मनोकामना सिद्ध हनुमान आश्रम के डॉ. शम्भूनाथ सीकरीया ने आरम्भ होने वाले श्रावण मास के विषय में कहा कि विगत 70 वर्षों के बाद ऐसा दुलर्भ संयोग और शुभ योग से सम्पन्न यह श्रावण का महिना हैं। जिसमें नौ पंचम योग, गज केशरी योग, कुबेर योग, यश योग, शुक्रादित्य योग, बुद्धादित्य योग, रवि पुष्प योग के साथ बहुत सी राशियो पर सर्वाथ सिद्धि योग बन रहा हैं। इस श्रावण में पांच सोमवार है और श्रावण माह का आरंभ सोमवार से हैं और समाप्ति भी सोमवार को है। जिस दिन रक्षा बंधन हैं। इस श्रावण मास की अद्वितीय महिमा हैं। इस श्रावण मास में हमारे आश्रम में विराजमान पाँच लाख रूद्राक्ष से निर्मित 20 फुट ऊँचे शिव आकृति वाले शिवलिंग पर रूद्राभिषेक करने से चार लखराव का फल एक बार में मिलता हैं। अगर पाँचों सोमवार को उस पर जल चढाया जाए तो 20 लखराव का फल प्राप्त होगा। मातायें सोमवार के व्रत के साथ मंगलागौरी का भी पूजन अवश्य करें, जो सौभाग्य की दाता हैं। कुंवारी कन्या माता पार्वती की उपासना करें, ताकि उन्हें भगवान शिव जैसा वर प्राप्त हों। हमारे आश्रम में प्रत्येक सोमवार को सुबह प्रातः 08 बजे से आचार्य द्वारा षटटांग रूद्राभिषेक निःशुल्क कंठस्त कराया जायेगा, जो भी शिव भक्त उसमें शमिल होना चाहें वो श्रद्धापूर्वक निर्धारित समय पर उपस्थित होंगे। आश्रम में गंगाजल और बेलपत्र उपलब्ध हैं जो अन्य सामग्री नहीं ला सकते हैं। भगवान शिव को यह भी अत्यन्त प्रिय है जो भी पाँच सोमवार को लगातार रूद्राभिषेक करेंगे और जो कावरियाँ जल चढ़ायेंगे उन्हें जगतगुरू शंकराचार्य द्वारा सिद्ध किया हुआ रूद्राक्ष आचार्य के द्वारा आर्शीवाद स्वरूप प्रदान किया जायेगा। कहा कि सभी शिव भक्तों से आग्रह है कि इस दुर्लभ संयोग और विशेष मुर्हत में अवघर दानी भगवान शिव को जल अर्पित कर उनकी कृपा प्राप्त करें। इस श्रावण मास में अश्वमेघ यज्ञ का अश्व, विजय स्तम्भ और विराट अनन्त स्वरूप की मूर्ति के दर्शन और पूजा से अत्यन्त फल प्राप्त होता है जो कि हमारे आश्रम में ही उपलब्ध है और देश में इसके दर्शन यहाँ के अलावा कही नहीं हो सकते। उसका भी लाभ उठावें।

संक्षिप्त समाचार

पर्यटन नगरी का सदर अस्पताल भगवान भरोसे आयुष और जीएनएम के भरोसे चल रहा है सीएससी

बीएनएम। बगहा। इंडो नेपाल सीमा पर अवस्थित पर्यटन नगरी वाल्मीकिनगर वीटीआर के जंगलों से घिरा क्षेत्र है। यहां के लोग जंगली जीवो का शिकार होते रहते हैं। बंदर, भालू, सांप आदि से घायला मरीजों का इलाज इसी एक मात्र अस्पताल के भरोसे है लेकिन विडंबना है कि सदर अस्पताल सीएससी भगवान भरोसे चल रहा है। बतादें कि इस अस्पताल में एक भी एमएस, एमबीबीएस डॉक्टर की पोस्टिंग नहीं है। एक एमबीबीएस महिला डॉक्टर की पोस्टिंग है लेकिन वह भी नाम के लिए। ये माह में आध एक बार हॉस्पिटल में दिख जाती हैं, प्रायः अनुपस्थित ही रहती हैं। अगर एक्सीडेंटल केस आ जाए तो फौरन उसे बाहर रेफर कर दिया जाता है। बतातें चलें कि आयुष डॉक्टर और जीएनएम के भरोसे ही पर्यटन नगरी का सरकारी अस्पताल चल रहा है। समाजसेवी अमित कुमार सिंह ने कहा कि यहां बाहर से पर्यटक आते हैं जिन्हें स्वास्थ सम्बंधी परेशानी के लिए एक कुशल एमबीबीएस फिजिशियन डॉक्टर की जरूरत है इसलिए इनकी स्थायी पोस्टिंग होना चाहिए और एक सर्जन डॉक्टर की भी जरूरत है ताकि आए दिन हो रहे एक्सीडेंट के पीड़ितों को फर्दर इलाज मिल सके। वाल्मीकिनगर वीटीआर जंगल से घिरा इलाका है। यहां सर्प दंश के केस वाले मरीजो को इलाज के लिए नेपाल स्थित 70 किलोमीटर दूर भैरहवा या फिर 40 किलोमीटर बगहा की दूरी तैय करनी पड़ती है । कभी कभी तो दूरी तैय करने में मरीज की जान चली जाती है। इसलिए वाल्मीकिनगर सीएससी सदर अस्पताल में एक सर्प दंश स्पेशलिस्ट डॉक्टर की भी पोस्टिंग होना चाहिए। बतातें चलें कि वाल्मीकिनगर अस्पताल को एपीएचसी से बढ़ाकर फिलहाल दर्जा सीएससी कर दिया गया है लेकिन सुविधा के नाम पर सिफ़र है।समाजसेवी अमित कुमार सिंह ने स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन से उपर्युक्त बातों पर ध्यान देते हुए अतिशीघ्र कार्यवाई करने का आग्रह किया है।

मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट ने भूजल संरक्षण को लेकर जनता को जागरूक किया

बीएनएम। बेतिया। मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट के कार्यकताओं ने शुक्रवार को भूजल सरंक्षण की जोरदार अपील की एवं पर्यावरण एवं जल संरक्षण की महत्ता से जनता को जागरूक किया। बिहार राज्य के पश्चिम चंपारण ज़िला मुख्यालय बेतिया से प्रारम्भ हुए इस विशाल मार्च को मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष सह समाजिक कार्यकर्ता डॉ अमानुल हक़ ने झंडी दिखाकर रवाना किया। विदित हो कि ट्रस्ट द्वारा 'भूजल संरक्षण सप्ताह मनाया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत आम जनता को भूजल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन हेतु प्ररित किया जा रहा है। इस मार्च में मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट के सामाजिक कार्यकर्ता हाथों में जल संरक्षण के नारे लिखे प्ले काड्र्स तथा बैनर्स लेकर पश्चिम चंपारणवासियों को जल संरक्षण एवं जल संचयन के प्रति जागरूक किया। छात्रों ने सेव वाटर फॉर फ्यूचर,ब्राइट फ्यूचर बिगिन्स विद क्लीन वाटर,जल ही जीवन है,वाटर इज लाइफ एण्ड कन्जर्वेशन इज फ्यूचर,सेव वाटर,कलेक्ट द रेन, प्रोटेक्ट द प्लेन,इफ यू सेव वाटर, वाटर विल सेव यू आदि विभिन्न नारे लिखे पोस्टर द्वारा समाज के लोगों को जागरूक किया। इसके साथ ही कार्येक्ताओ ने पॉलीथिन की थैलियों का उपयोग न करना, किसी भी तरह का कचरा नदी या तालाब में न फेंकना, ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने आदि विभिन्न तौर-तरीकों द्वारा जल एवं पर्यावरण संवर्धन के प्रति आम जनता को जागरूक किया। साथ ही इसमें किसानों का भी समर्थन मिला।

वाहन जांच के दौरान लोडेड देशी कट्टा के साथ युवक धराया

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के हरसिद्धि- छपवा पथ में वाहन जांच के दौरान पुलिस ने कोबेया पुल के पास से एक अपाची बाइक व लोडेड देशी कट्टा के साथ एक युवक को पकड़ा है। पकड़ा गया युवक सुगौली थाना के श्रीपुर भटवलिया गांव के अमरेंद्र साह का पुत्र संदीप कुमार है। मामले में पुलिस एफआईआर दर्ज कर पकड़े गए युवक को न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी में जुटी हुई है। थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया की इलाके में सघन वाहन जांच किया जा रहा है।

नाबार्ड द्वारा ज़िला स्तरीय एफ़पीओ कैंप आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी

एक दिवसीय ज़िला स्तरीय एफ़पीओ कैंप एवं एफ़पीओ के निदेशक मंडल हेतु प्रशिक्षण-सह-वार्तालाप कार्यक्रम का आयोजन शहर के समाहरणालय में नाबार्ड द्वारा आयोजित किया गया। उक्त बैठक में ज़िला में किसान उत्पादन संगठनों (एफ़पीओ) के सुदृढीकरण पर विस्तृत चर्चा हुई। इस बैठक में नाबार्ड के ज़िला विकास प्रबंधक आनंद अतिरेक ने बताया कि कृषि में आ रही विभिन्न कठिनाइयों जैसे कि छोटे भू-जोत, विभिन्न कृषि इनपुटों का सही समय पर अनुपलब्धता, उत्पादों का सही मूल्य ना मिलना आदि से किसानों को उबारने हेतु भारत सरकार द्वारा किसानों को एकजुट कर किसान उत्पादक कम्पनी बनाने की मुहिम चलायी गयी है। किसान उत्पादक कम्पनी इस सभी कठिनाइयों का सामना कर अपने सदस्य किसानों को विभिन्न सुविधाएँ प्रदान करने में सहायता प्रदान करता है। किसान उत्पादक संगठन एक पंजीकृत संस्था होती है और इसके सदस्य बनने हेतु किसानों को कम्पनी में शेयर लेने होते हैं। उन्होने बताया कि नाबार्ड द्वारा ज़िले में 5 एफ़पीओ संवर्धित किए गए हैं, इसके अलावा केन्द्रीय प्रायोजित योजना के तहत नाबार्ड एवं विभिन्न संस्थाओं जैसे एसएफ़एसी और एनसीडीसी द्वारा कुल 24 एफ़पीओ संवर्धित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में भारत सरकार द्वारा एफ़पीओ हेतु अभियान चलाया जा रहा है जिसमें सभी एफ़पीओ को उनके व्यवसाय हेतु विभिन्न लाइसेन्स, बैंक से ऋण और साथ ही विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलवाने का प्रयास किया जा रहा है। सांसद ने ज़िला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी पात्र एफ़पीओ को विभिन्न इनपुट लाइसेंस तथा प्रशिक्षण प्रदान करने पर प्राथमिकता दी जाएगी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने सभी एफ़पीओ के निदेशकों ने उनकी समस्या सुनी तथा आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का हल शीघ्र ही किया जाएगा। अग्रणी जिला प्रबन्धक गोपाल प्रसाद ने पीएमएफएमई योजना के बारे में विस्तार में बताया और एफ़पीओ को इसके तहत आवेदन करने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने एफ़पीओ को विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने हेतु बैंक ऋण आवेदन करने को कहा। उन्होंने कहा कि पात्र एफ़पीओ को ज़िले के सभी बैंक ऋण देने में सहयोग प्रदान करेंगे। आनंद अतिरेक ने बताया कि उद्यमिता एक प्रक्रिया है और सही समय पर ही उचित सुविधाएँ उपलब्ध हो सकती हैं। एफ़पीओ एक उद्यम है और एफ़पीओ को भी धीरे-धीरे प्रगति के पाथ पर अग्रसर रहना चाहिए। इस कार्य में एफ़पीओ को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है और एफ़पीओ को इन चुनौतियों को अवसर के रूप में देख कर आगे बढ़ना चाहिए। मौके पर सांसद राधा मोहन सिंह, जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रबंधक नरेश ठाकुर, जिला विकास प्रबन्धक आनंद अतिरेक, अग्रणी जिला प्रबन्धक गोपाल प्रसाद, जिला कृषि पदाधिकारी सहित सभी बैंकों के जिला समन्वयक, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला पशुपालन अधिकारी, जिले में कार्यरत एफ़पीओ के निदेशक मण्डल तथा कई किसानों ने भाग लिया।

डीएलसीसी की समीक्षा बैठक सम्पन्न, दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

बीएनएम। मोतिहारी

शनिवार को नगर के समाहरणालय परिसर स्थित राधा कृष्ण भवन में वित्तीय वर्ष 2023-24 के चतुर्थ तिमाही का जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं 2023-24 के तृतीय एवं चतुर्थ तिमाही का जिला स्तरीय परामर्श दात्री समिति की बैठक का आयोजन स्थानीय सांसद राधा मोहन सिंह एवं जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में हुई। उक्त बैठक में उप महापौर नगर निगम, निदेशक डीआरडीए, वरीय उपसमाहर्ता बैंकिंग, सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया के क्षेत्रीय प्रबंधक (आरएम) नरेश ठाकुर, डीडीएम नाबार्ड आनन्द अर्तिकेय, एलडीओ रिजर्व बैंक पटना, जिला परिषद अध्यक्षा ममता राय, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला पशुपालन अधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण के डीपीआरओ (जन संपर्क, डीपीएम जीविका,जिला उद्योग विभाग के प्रतिनिधि, अनुसूचित जाति विभाग के प्रभारी, विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक एवं विभिन्न एफपीओ ने हिस्सा लिया। इस बैठक में जिला साख योजना की उपलब्धि, बैंकों के जमा शाखा अनुपात, सरकारी ऋण योजनाएं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में ज़िला में किसान उत्पादन संगठनों (एफ़पीओ) के सुदृढीकरण पर विस्तृत चर्चा की गई। सांसद ने ज़िला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी पात्र एफ़पीओ को विभिन्न इनपुट लाइसेंस तथा प्रशिक्षण प्रदान करने पर जोर दे। सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के अग्रणी जिला प्रबन्धक (एलडीएम) गोपाल प्रसाद ने पीएमएफएमई योजना के बारे में विस्तार में बताया और एफ़पीओ को इसके तहत आवेदन करने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने एफ़पीओ को विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने हेतु बैंक ऋण आवेदन करने को कहा। उन्होंने कहा कि पात्र एफ़पीओ को ज़िले के सभी बैंक ऋण देने में सहयोग प्रदान करेंगे। जिला अग्रणी प्रबंधक ने किसान क्रेडिट कार्ड एवं मुद्रा योजना के तहत नए लोन देने का सभी बैंकों की ओर से सांसद से वादा किया। जिलाधिकारी ने अग्रणी बैंक प्रबंधक से जिले के वार्षिक साख योजना की शत प्रतिशत उपलब्धि एवं साख जमा अनुपात को सरकारी एवं निजी क्षेत्र के बैंकों द्वारा 60% जल्द से जल्द प्राप्त करने का निर्देश दिया। मौके पर सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के आरएम नरेश ठाकुर, एलडीएम गोपाल प्रसाद, सेन्ट आरसेटी निदेशक संजय कुमार झा, पुष्पेन्द्र सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

सुप्रसिद्ध कुरनिया माता मंदिर में विधि-व्यवस्था को लेकर हुई बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के घोड़ासहन थाना परिसर में सुप्रसिद्ध कुरनिया माता मंदिर में विधि-व्यवस्था ,वितीय प्रबंधन तथा ट्रैफिक मैनेजमेंट को सुचारू रूप से संचालन हेतु स्थानीय पदाधिकारियों की देखरेख में एक बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में पुरनहिया एवं कदमवा पंचायत से भारी संख्या में ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता अंचलाधिकारी आंनद कुमार के द्वारा की गयी। बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए रामविनय यादव,उपाध्यक्ष हेतु नीरज कुशवाहा,महासचिव दिनेश कुमार,संयुक्त सचिव पुरनहिया पंचायत के सरपंच द्वारा मनोनीत सदस्य, कोषाध्यक्ष सुबोध कुमार उर्फ दारा सिंह,महामंत्री यातायात धनंजय कुमार के नाम की सहमति बनी।

सदर अस्पताल के एनक्यूएएस प्रमाणीकरण के लिए बनी कार्य योजना

बीएनएम। मोतिहारी

- विभागीय राष्ट्रीय मानक अनुरूप अस्पताल के सुदृढ़ीकरण हेतु अगली बैठक 23 को होगी
- आठ 8 विभाग हुए चिन्हित, इनमें क्वालिटी एंड सर्विस बेहतर करने पर है जोर

मोतिहारी। एनक्यूएएस प्रमाणीकरण को लेकर सदर अस्पताल के स्वास्थ्य प्रबंधक के कार्यालय में शनिवार को स्वास्थ्य कर्मियों की बैठक अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. अवधेश कुमार की अध्यक्षता में हुई। उक्त बैठक में राष्ट्रीय मानक के अनुरूप सदर अस्पताल के सुदृढ़ीकरण हेतु कार्य योजना बनाई गई। प्रथम चरण में 8 विभागों को चिन्हित कर सर्विस क्वालिटी बेहतर करने की बात की गई। डॉ. कुमार ने बताया कि समस्याओं का समाधान और अस्पताल के कार्यों में गुणवत्तापूर्ण सुधार के लिए कमिटी का गठन किया जा रहा है, जिसमें साफ-सफाई, इन्फेक्शन से बचाव की व्यवस्था, दवा का इंतजाम करने के साथ ही सभी कमियों में सुधार करने का निर्देश दिया गया है। अगली बैठक 23 जुलाई को होगी। कहा कि सदर अस्पताल की व्यवस्था संतोषजनक है इसमें और बेहतर व्यवस्था एवं सुधार हो यह जिला अस्पताल राज्य में नंबर एक हो इसका सफल प्रयास किया जाएगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) प्रमाणीकरण हो इसके लिए पीरामल स्वास्थ्य पार्टनर एजेंसी का सहयोग लेकर सफल प्रयास किया जा रहा है।

क्वालिफाई प्रमाण पत्र के लिए न्यूनतम 70 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्यः सदर अस्पताल स्वास्थ्य प्रबंधक कौशल दुबे ने बताया कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) के क्वालिफाई प्रमाण पत्र के लिए न्यूनतम 70 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। इसके लिए सक्षम पोर्टल पर सभी मानकों से संबंधित डाटा को अपलोड करना होता है। एक्शन प्लान तैयार करने हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया है। एनक्यूएएस के प्रमाणीकरण का मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराना है। मौके पर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. अवधेश कुमार, सदर अस्पताल स्वास्थ्य प्रबंधक कौशल दुबे, पिरामल स्वास्थ्य के जिला प्रतिनिधि राजेश कुमार गिरी, एलीशा, अश्विनी, निकिता सहित प्रसव, आईसीयू, पीकू वार्ड, सर्जिकल की एएनएम/जीएनएम, सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च के जिला प्रतिनिधि सिद्धांत कुमार, ब्लड बैंक इंचार्ज तबरेज आलम, मदन मोहन झा एवम अन्य लोग उपस्थित रहे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR) Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

रक्सौल अनुमंडल के सरकारी विद्यालयों के मध्याह्न भोजन की खुली पोल

बीएनएम। रक्सौल। अमलेश कुमार

अनुमंडल में ग्रामीणों की शिकायत पर शिक्षा विभाग पटना की ओर से मामले की जांच करने एमडीएम की टीम के पहुचते ही हड़कंप मच गया। जहां एमडीएम टीम के सामने ही प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रंजना कुमारी की पोल खुल गई। दरअसल, रक्सौल प्रखंड के परसौना तपसी के उत्क्रमित मध्य विद्यालय जयंत टोला में पीएम पोषण योजना के तहत विद्यार्थियों को कीड़े वाला भोजन दिए जाने से ग्रामीण नाराज थे। जिसको लेकर ग्रामीणों ने स्थानीय अधिकारियों को कुछ महीने पहले जब शिकायत की तो बीइओ के द्वारा कोई सुनवाई नहीं हुई। उसके बाद ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग पटना को ऑनलाइन शिकायत कर दी। उक्त शिकायत पर जांच अधिकारी आए तो इनके आने की भनक लगते ही एमडीएम प्रभारी और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी दोनों ही पहुंच गए। जांच अधिकारी के सामने ही विद्यालय के बच्चों और अभिभावकों ने शिक्षा व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी। एमडीएम जांच टीम को लोगों ने बताया कि इस विद्यालय में पीएम पोषण योजना लूट खसोट का शिकार है। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, एमडीएम प्रभारी और प्रधानाध्यापक की मिलीभगत है। विद्यार्थियों को भोजन खिलाने के नाम पर यहां खानापूर्ति की जाती है। पीलू लगी सब्जियां परोसी जाती हैं। सभी स्थानीय अधिकारियों से शिकायत करने पर कोई असर नहीं हुआ। वही जब प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रंजना कुमारी से इस सम्बंध में पूछा गया तब उन्होंने अपना पल्ला झाड़ते हुए सीधे ग्रामीणों पर ही आरोप लगा दिया,उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के द्वारा पैसे का डिमांड किया जाता है और नही देने पर ऐसे हंगामा कराया जाता है।

जबकि रक्सौल शिक्षा विभाग कितना साफ है इस बात से आम लोग भी अछूते नही है। जानकारी के मुताबिक, पूरा मामला रक्सौल प्रखंड क्षेत्र के परसौना तपसी पंचायत के जयंत टोला उत्क्रमित मध्य विद्यालय से जुड़ा है। यहां पिछले दो-तीन दिनों से बच्चों को खाने में सड़ी और कीड़े लगी सब्जी दी जा रही है। बच्चों की शिकायत पर अभिभावक विद्यालय पहुंचे, जहां सच्चाई सामने आई। बताया जा रहा है कि पहले भी इस विद्यालय में ऐसा कारनामा हो चुका है और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को शिकायत की जा चुकी है। लेकिन प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने कोई कदम नहीं उठाया। बाद में प्रधानाध्यापिका और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी महोदया की हरकतों से तंग आकर ग्रामीणों ने इसकी शिकायत शिक्षा विभाग पटना को कर दी। उसके बाद अगले दिन तुरंत जांच के लिए एमडीएम की टीम विद्यालय पहुंची। भनक लगते ही उक्त मौके पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी महोदया भी जांच के लिए पहुंचीं। जहां एमडीएम टीम वालों के सामने ही प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रंजना कुमार और प्रधानाध्यापिका मधु कुमारी की पोल खुलने लगी। छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों का कहना है कि पिछले दो-तीन दिनों से कीड़े वाला खाना दिया जा रहा है। उसकी शिकायत करने के बाद भी कोई कदम नहीं उठाया गया।

संक्षिप्त समाचार

31 जुलाई तक पीडीएस दुकानों पर बनेगा आयुष्मान कार्ड

राशनकार्ड लाभुक बनवा सकेंगे आयुष्मान कार्ड

बीएनएम। केसरिया। प्रखण्ड सभागार में शनिवार को बीडीओ मनीष कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आयुष्मान कार्ड बनाने को लेकर पंचायत स्तर पर आयोजित कैम्प के सफल आयोजन को लेकर दिशा-निर्देश दिया गया। बीडीओ ने कहा कि 20 से 31 जुलाई तक विशेष कैम्प के माध्यम से राशनकार्डधारियों का आयुष्मान बनाना है। इसके लिए प्रत्येक जन वितरण प्रणाली दुकान पर वीएलई की प्रतिनियुक्ति की गई है। जहाँ निःशुल्क आयुष्मान बनाया जाएगा। वहीं पंचायत में तैनात कार्यपालक सहायक के माध्यम से भी पंचायत में चिन्हित जगह पर कैम्प लगाया जा रहा है। अपनी सुविधानुसार इन दोनों जगहों पर राशनकार्ड लाभुक आधार कार्ड के साथ पहुँच आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं। उन्होंने क्षेत्र के पंचायत जनप्रतिनिधियों से इस कार्य में सहयोग करने की अपील की। कहा कि क्षेत्र के ऐसे लोगों को जो अबतक आयुष्मान कार्ड बनवाने से वंचित हैं उन्हें इस कार्ड को बनवाने के लिए निकटम कैम्प में भेजें। इस बैठक में प्रखण्ड प्रमुख आलिया प्रवीण सहित क्षेत्र के विभिन्न पंचायत के मुखिया, पंसस, कार्यपालक सहायक, वीएलई सहित अन्य मौजूद थे।

वाहन चोर का सेफ जोन बना है उज्जैन लोहियार व कुबरा गांव, पुलिस छापेमारी में पकड़ा गया चोरी का बुलेट बाइक

- पुलिस ने एक बाइक चोर को भी है पकड़ा
- 10 दिन के अंदर कुबरा से दो कार व एक बाइक किया है बरामद, तीन वाहन चोर भी है धराया

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के उजैन लोहियार व पकड़िया टोला कुबड़ा चोरी के वाहन रखने का सेफ जोन बन गया है। यहां पर वाहन चोर बाहर से गाड़ी चोरी कर लाकर रख रहे है। इसी सिलसिले में शनिवार की सुबह पुलिस ने उज्जैन लोहियार में भूटेली यादव के मुर्गी फार्म में छापेमारी कर चोरी के एक बुलेट बाइक सहित एक युवक को पकड़ा है। पकड़ा गया युवक उसी गांव के अच्छेलाल यादव का पुत्र कुंदन कुमार है। पुलिस गुप्त सूचना पर उक्त करवाई की है। पकड़े गए युवक से पुलिस पूछताछ में जुटी हुई है। बताया जाता है कि करीब दस दिन पूर्व पश्चिम बंगाल की पुलिस ने पकड़िया में छापेमारी कर एक चोरी के स्विफ्ट कार सहित एक चोर को पकड़ा था। पकड़ा गया चोर विकास सहनी था। जबकि कुबरा से एक चोरी के बोलेरों गाड़ी सहित चोर चंद्रभूषण शर्मा को पुलिस ने पकड़ा था।थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया कि मामले की तहकीकात की जा रही है।

खनन छापेमारी के फरार अभियुक्त पुलिस के हत्थे चढ़ा

बीएनएम। बगहा। बगहा पुलिस जिला के नौरंगिया थाना का कांड 23/24 का फरार अभियुक्त पुलिस के हत्थे चढ़ गया। बतादें की नौरंगिया निवासी 36 वर्षीय गोविंद मुसहर वीटीआर जंगल से बालू खनन करते समय पुलिस और वन विभाग की संयुक्त छापेमारी के समय फरार हो गया था। इसी कांड में गोविंद पर धारा 147, 149, 341, 332, 323, 186, 504 व 506 दर्ज कर तलाश की जा रही थी। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि उक्त अभियुक्त घर मे छुपा हुआ है। एसआई राणा रणजीत सिंह के नेतृत्व में छापेमारी कर घर से धरदबोच लिया गया है।

उर्वरक बिक्री में गड़बड़ी पर की जाएगी सख्त कार्रवाई : जिलाधिकारी

- विभागीय किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर सही मात्रा में उर्वरक आदि की उपलब्धता हर हाल में कराएं सुनिश्चित।
- जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला उर्वरक निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न।
- अनियमितता के मामले में 01 प्रतिष्ठान के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। 01 प्रतिष्ठान की अनुज्ञप्ति रद्द की गई है। साथ ही 05 मामलों में स्पष्टीकरण की मांग की गई है।

बीएनएम। बेतिया

जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने कहा कि जिले के किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर सही मात्रा में उर्वरक आदि की उपलब्धता हर हाल में सुनिश्चित किया जाय। इस कार्य में किसी भी स्तर पर गड़बड़ी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उर्वरक बिक्री में किसी प्रकार की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। शिकायत मिलने पर तुरंत जाँच करायी जाएगी और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले के किसानों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए कृषि विभाग के अधिकारियों को तत्परतापूर्वक कार्य करने की आवश्यकता है। जिलाधिकारी समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित जिला उर्वरक निगरानी समिति की बैठक में अधिकारियों, विक्रेताओं आदि को निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उर्वरक को लेकर किसानों की परेशानियों को दूर किया जाय। समय-समय पर उर्वरक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण एवं औचक छापेमारी कराना सुनिश्चित किया जाय। उर्वरक का उठाव एवं वितरण ससमय कराना सुनिश्चित किया जाय। जिलास्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक में सांसद, उर्वरक बिक्री में गड़बड़ी पर की जाएगी सख्त कार्रवाई : जिलाधिकारी। किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर सही मात्रा में उर्वरक आदि की उपलब्धता हर हाल में कराएं सुनिश्चित। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला उर्वरक निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न। अनियमितता के मामले में 01 प्रतिष्ठान के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। 01 प्रतिष्ठान की अनुज्ञप्ति रद्द की गई है। साथ ही 05 मामलों में स्पष्टीकरण की मांग की गई है। बेतिया(कुमार अभिजितम)।जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने कहा कि जिले के किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर सही मात्रा में उर्वरक आदि की उपलब्धता हर हाल में सुनिश्चित किया जाय। इस कार्य में किसी भी स्तर पर गड़बड़ी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उर्वरक बिक्री में किसी प्रकार की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। शिकायत मिलने पर तुरंत जाँच करायी जाएगी और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले के किसानों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए कृषि विभाग के अधिकारियों को तत्परतापूर्वक कार्य करने की आवश्यकता है। जिलाधिकारी समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित जिला उर्वरक निगरानी समिति की बैठक में अधिकारियों, विक्रेताओं आदि को निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उर्वरक को लेकर किसानों की परेशानियों को दूर किया जाय। समय-समय पर उर्वरक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण एवं औचक छापेमारी कराना सुनिश्चित किया जाय। उर्वरक का उठाव एवं वितरण ससमय कराना सुनिश्चित किया जाय। जिलास्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक में सांसद डॉ0 संजय जायसवाल विधायक उमाकांत सिंह,विनय बिहारी ने उर्वरक की उपलब्धता, वितरण एवं बिक्री को लेकर अपने-अपने सुझाव दिए। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक की उपलब्धता है। उन्होंने बताया कि खरीफ वर्ष 2024-25 में अबतक 23 उर्वरक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की गई है। 07 मामलों में प्रतिष्ठान बंद, बिक्री पंजी एवं कैशमेमो अपडेट नहीं आदि पाया गया। अनियमितता के मामले में 01 प्रतिष्ठान के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। 01 प्रतिष्ठान की अनुज्ञप्ति रद्द की गई है। साथ ही 05 मामलों में स्पष्टीकरण की मांग की गई है। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त प्रतिभा रानी, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, जिला कृषि पदाधिकारी प्रवीण कुमार राय, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। संजय जायसवाल विधायक उमाकांत सिंह,विनय बिहारी ने उर्वरक की उपलब्धता, वितरण एवं बिक्री को लेकर अपने-अपने सुझाव दिए। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक की उपलब्धता है। उन्होंने बताया कि खरीफ वर्ष 2024-25 में अबतक 23 उर्वरक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की गई है। 07 मामलों में प्रतिष्ठान बंद, बिक्री पंजी एवं कैशमेमो अपडेट नहीं आदि पाया गया। अनियमितता के मामले में 01 प्रतिष्ठान के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। 01 प्रतिष्ठान की अनुज्ञप्ति रद्द की गई है। साथ ही 05 मामलों में स्पष्टीकरण की मांग की गई है। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त प्रतिभा रानी, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, जिला कृषि पदाधिकारी प्रवीण कुमार राय, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भूमि विवाद से संबंधित मामलों का किया गया निपटारा

बीएनएम। केसरिया

थाना परिसर में शनिवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान भूमि विवाद से संबंधित करीब आधा दर्जन से अधिक मामलों में फरियाद सुनी गई। जिसमें एक मामले का ऑन-द-स्पॉट निष्पादन किया गया। अंचलाधिकारी पूनम मिश्रा ने बताया कि केसरिया थाना में एक मामले का त्वरित निष्पादन किया गया। वहीं बिजधरी थाना में भी जमीनी विवाद से जुड़े मामले सुने गये। मौके पर केसरिया थानाध्यक्ष उदय कुमार, राजस्व कर्मचारी प्रिंस कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को लेकर बीडीओ ने की बैठक

बीएनएम। तुरकौलिया

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को लेकर बीडीओ प्रियंका कुमारी ने सभी मुखिया व पंचायत समिति सदस्यों के साथ शनिवार को एक बैठक की। जहां बीडीओ ने बताया कि आयुष्मान कार्ड आगामी 31जुलाई तक बनेगा। खासकर सभी मुखिया व पंचायत समिति सदस्यों से कहा कि इसका खूब प्रचार प्रसार करें। पहले एक परिवार में एक ही व्यक्ति का कार्ड बनता था। लेकिन अब परिवार के सभी लोगों का बनेगा। सभी लोगों को इसका लाभ मिले, इसके लिए प्रचार प्रसार करना जरूरी है। आयुष्मान कार्ड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सरकारी अस्पताल) पर और अपने अपने जनवितरण दुकानदार (डीलर) के पास जाकर बनवा सकते हैं। जिन लोगों का कार्ड बनेगा उनका 5 लाख तक का फ्री में इलाज होगा। जिससे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त कर सकेगें। गांव गांव में लोगों को यह बात बताना जरूरी है। वही सीएचसी प्रभारी डा0 अर्जुन कुमार ने बताया कि आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए अस्पताल में अलग से एक काउंटर खोला गया है। जहां 10 बजे सुबह से लेकर शाम 3 बजे तक रोजाना कार्ड बनाया जाता है। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी दिव्या कुमारी ने भी बताया कि प्रत्येक जनवितरण दुकानदार के पास आपरेटर भेजकर आयुष्मान कार्ड बनाने की व्यवस्था की गई है। कोई भी लाभार्थी जाकर कार्ड बनवा सकते हैं। बैठक में सीएचसी प्रभारी डा0 अर्जुन कुमार, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी दिव्या कुमारी, उप प्रमुख साहिदा बेगम, पंचायत समिति सदस्य ईद महमद देवान, चंदेश्वर पासवान, अशरफी महतो, मुखिया विजय साह, रामजन्म पासवान आदि मौजूद थे।

हत्याकांड का प्राथमिकी अभियुक्त हुआ गिरफ्तार

- पूर्वी चंपारण जिले के तुरकौलिया में छिपा हुआ था नामजद अभियुक्त
- गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर गिरफ्तार करते हुए पुलिस ने भेजा न्यायिक हिरासत में

बीएनएम। बेतिया

मझौलिया थाना कांड संख्या 809/2023 के नाम जद अभियुक्त शिवसागर यादव उर्फ जटा यादव को गिरफ्तार कर पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उक्त जानकारी प्रशिक्षु डीएसपी अमरकांत और थाना अध्यक्ष अखिलेश कुमार मिश्र ने दी। उन्होंने बताया कि दिनांक 17 सितंबर 2023 को थाना क्षेत्र के महनवा निवासी राम कृत यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिस मामले में कुल छह व्यक्तियों को नामजद अभियुक्त बनाया गया था। इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन प्राथमिकी नामजदों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वही गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर पूर्वी चंपारण जिले के तुरकौलिया थाना क्षेत्र में छिपे हुए शिवसागर यादव उर्फ जटा यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उन्होंने बताया कि इस कांड के शेष दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस हर संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। बताते चले की मामला पूर्व से चले आ रहे भू विवाद का था।

मुहर्रम के दिन थाना में हंगामा करने के मामले में एफआईआर दर्ज

18 नामजद व 50 अज्ञात पर प्राथमिकी

बीएनएम। केसरिया

मुहर्रम के दिन जब्त डीजे को छुड़ाने के लिए थाना परिसर में हंगामा करने के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। थानाध्यक्ष उदय कुमार के बयान पर उक्त प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसमें 18 लोगों को नामजद व 50 अज्ञात को आरोपित किया गया है। अधिकतर नामजद बिजधरी थाना क्षेत्र के बथना गाँव के हैं। दर्ज प्राथमिकी में बताया गया है कि मुहर्रम के दिन गोंछी गाँव से डीजे व पिकअप को जब्त किया गया। जिसे छुड़ाने के लिए काफी संख्या में उपद्रवी लोग हथवे-हथियार के साथ थाना परिसर में आकर तोड़फोड़ करने लगे। इस दौरान सरकारी संपत्ति को क्षति पहुँचाया। साथ हीं थाना में प्रतिनियुक्त ड्रोन कैमरामैन व उसके सहयोगी को बंधक बनाकर ड्रोन कैमरा को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना में पुलिसकर्मियों ने किसी तरह अपनी जान बचायी। उल्लेखनीय है कि प्रशासन द्वारा डीजे बजाने पर प्रतिबंध लगाया गया था। इसके बावजूद मुहर्रम के दिन भारी संख्या में डीजे बज रहे थे। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पिकअप पर लदी डीजे को जब्त कर थाना लायी। जिससे नाराज उग्र भीड़ में थाना में पहुँच जमकर हंगामा किया था।

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साथ उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को साधने का विधान तो है, पर उसे कष्ट देना कभी अभीष्ट नहीं है।

ईश्वर-तुल्य गुरु जीवन को नया घाट देते हैं

ललित गर्ग

गुरु पूर्णिमा का भारतीय संस्कृति सर्वोपरि महत्व है, यह गुरु-पूजन का पर्व है। सन्मार्ग एवं सत-मार्ग पर ले जाने वाले महापुरुषों के पूजन का पर्व, जिन्होंने अपने त्याग, तपस्या, ज्ञान एवं साधना से न केवल व्यक्ति को बल्कि समाज, देश और दुनिया को भवसागर से पार उतारने की राह प्रदान की है। गुरु एक ऊर्जा है, एक शक्ति है। भारतीय लोकचेतना में सत्य की ओर गति कराने एवं जीवन को जीवंतता देने वाले गुरु को ईश्वर माना गया है। इसीलिये पर्वों, त्यौहारों और उत्सवों की श्रृंखला में गुरु पूर्णिमा का सर्वोपरि महत्व माना गया है। यह अध्यात्म-जगत विशेषतः सनातन धर्म का महत्वपूर्ण उत्सव है, इसे अध्यात्म जगत की बड़ी घटना के रूप में जाना जाता है। आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहा जाता है, हिन्दू धर्म की मान्यता के अनुसार इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था, इसलिये इसे व्यास पूर्णिमा भी कहते है। इस दिन से ऋतु परिवर्तन भी होता है। इसदिन शिष्य अपने गुरु की पूजा करते हैं और अपने गुरु को यथाशक्ति दक्षिणा, पुष्प, वस्त्र, उपहार आदि भेंट करते हैं। पश्चिमी देशों में गुरु का कोई महत्व नहीं है, वहां विज्ञान और विज्ञापन का महत्व है परन्तु भारत में सदियों से गुरु का महत्व रहा है। यहां की माटी एवं जनजीवन में राह दिखाने वाले दीपक होते हैं ईश्वरतुल्य गुरु, क्योंकि गुरु न हो तो ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग कौन दिखायेगा? गुरु ही शिष्य का मार्गदर्शन करते हैं और वे ही जीवन को ऊर्जामय बनाते हैं। गुरु पूर्णिमा का त्योहार गुरु-शिष्य के आत्मीय संबंधों को सचेतन व्याख्या देता है। काव्यात्मक भाषा में कहा गया है- गुरु पूर्णिमा के चांद जैसा और शिष्य आषाढ़ी बादल जैसा। गुरु के पास चांद की तरह जीए गये अनुभवों का अक्षय कोष होता है। इसीलिये इस दिन गुरु की पूजा की जाती है इसलिए इसे 'गुरु पूजा दिवस' भी कहा जाता है। 'आचार्य देवोभवः' का स्पष्ट अनुदेश भारत की पुनीत परंपरा है और वेद आदि ग्रंथों का अनुपम आदेश है। ऐसी मान्यता है कि हरिशयनी एकादशी के बाद सभी देवी-देवता चार मास के लिए सो जाते है। इसलिए हरिशयनी एकादशी के बाद पथ प्रदर्शक गुरु की शरण में जाना आवश्यक हो जाता है। परमात्मा की ओर संकेत करने वाले गुरु ही होते है। गुरु की सन्निधि, प्रवचन, आशीर्वाद और अनुग्रह जिसे भी भाग्य से मिल जाए उसका तो जीवन कृतार्थता से भर उठता है। क्योंकि गुरु बिना न आत्म-दर्शन होता और न परमात्म-दर्शन। गुरु भवसागर पार पाने में नाविक का दायित्व निभाते हैं। वे हितचिंतक, मार्गदर्शक, विकास प्रेरक एवं विघ्नविनाशक होते हैं। उनका जीवन शिष्य के लिये आदर्श बनता है। उनकी सीख जीवन का उद्देश्य बनती है। अनुभवी आचार्यों ने भी गुरु की महत्ता का प्रतिपादन करते हुए लिखा है- गुरु यानी वह अर्हता जो अंधकार में दीप, समुद्र में द्वीप, मरुस्थल में वृक्ष और हिमखण्डों के बीच अग्नि की उपमा को सार्थकता प्रदान कर सके। हमारी प्राचीन गुरुकुल परम्परा एवं गुरुकुल संस्कृति ने महर्षि, तपस्वी, राष्ट्रभक्त, चक्रवर्ती सम्राट और जगद्गुरु तक के सुयोग्य महापुरुष उपलब्ध कराए हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने भी गुरु महिमा को सर्वोपरि माना है। जनकपुरी में ऋषि विश्वामित्र की सेवा इसका प्रमाण है। भारतीय संस्कृति में गुरु आश्रय रहित व्यक्ति को अत्यंत हेय माना गया है। हमारे देश के ऋषि-महर्षि, तीर्थंकर और महात्मा गौतम बुद्ध, महावीर जैसी दिव्य विभूतियों ने गुरु पद से अपने उपदेशों से उदार भावना स्थापित की। भौतिकवादी युग में गुरु के प्रति आस्था में न्यूनता आई है, जिसके परिणाम स्वरूप जीवन में अशांति, असुरक्षा और मानवीय गुणों का अभाव हो रहा है। गुरु पूर्णिमा के मौके पर वे लोग परेशान होते हैं जिनके कोई गुरु नहीं हैं कि वे किसकी पूजा करके आशीर्वाद प्राप्त करें। ऐसे लोगों की चिंता का समाधान तुलसीदासजी ने हनुमान चालीसा में किया है कि ...जै जै जै हनुमान गोसाई, कृपा करहु गुरुदेव की नाई। उन्होंने कहा है कि अगर किसी का गुरु नहीं है तो वह हनुमानजी को अपना गुरु बना सकता है। श्री गुरु चरण के स्मरण मात्र से ही आत्मज्योति का विकास हो जाता है। भारतीय संस्कृति में गुरु पद को सर्वोपरि माना गया है। गुरु एक तरह का बांध है जो परमात्मा और संसार के बीच और शिष्य और भगवान के बीच सेतु का काम करते हैं। इन गुरुओं की छत्रछाया में से निकलने वाले कपिल, कणाद, गौतम, पाणिनी आदि अपने विद्या वैभव के लिए आज भी संसार में प्रसिद्ध है। गुरुओं के शांत पवित्र आश्रम में बैठकर अध्ययन करने वाले शिष्यों की बुद्धि भी तदनुकूल उज्ज्वल और उदात्त हुआ करती थी। पाठ्य पुस्तकों में कुछ नीतिपरक श्लोकों को जोड़ने अथवा बच्चों को तोते की तरह गायत्री मंत्र रटाने या अंग्रेजी शैली में योग को 'योगा' करने से न तो चरित्र निर्माण होता है और न भावी पीढ़ी में ज्ञान का हस्तांतरण ही संभव है। ज्ञान तो गुरु से ही प्राप्त हो सकता है लेकिन गुरु मिलें कहां? अब तो ट्यूटर हैं, टीचर हैं, प्रोफेसर हैं पर गुरु नदारद हैं। आज नकली, धूर्त, ढोंगी, पाखंडी, साधु-संन्यासियों और गुरुओं की बाढ़ ने असली गुरु की महिमा को घटा दिया है। असली गुरु की पहचान करना बहुत कठिन हो गया है। भगवान से मिलाने के नाम पर, मोक्ष और मुक्ति दिलाने के नाम पर, कुण्डलिनी जागृति के नाम पर, पाप और दुःख काटने के नाम पर, रोग-व्याधियां दूर करने के नाम पर और जीवन में सुख और सफलता दिलाने के नाम पर हजारों धोखेबाज गुरु पैदा हो गये हैं जिनको वास्तव में कोई आध्यात्मिक उपलब्धि नहीं है। जो स्वयं आत्मा को नहीं जानते वे दूसरों को आत्मा पाने का गुर बताते हैं। तरह-तरह के प्रलोभन देकर धन कमाने के लिए शिष्यों की संख्या बढ़ाते हैं। जिसके बाड़े में जितने अधिक शिष्य हों वह उतना ही बड़ा और सिद्ध गुरु कहलाता है। मूर्ख भोली-भाली जनता इनके पीछे-पीछे भागती है और दान-दक्षिणा देती है। ऐसे धन-लोलुप अज्ञानी और पाखंडी गुरुओं से हमें सदा सावधान रहना चाहिए। कहावत है कि 'पानी पीजै छान के और गुरु कीजै जान के।' योग दर्शन नामक पुस्तक में भगवान श्रीकृष्ण को जगतगुरु कहा गया है क्योंकि महाभारत के युद्ध के दौरान उन्होंने अर्जुन को कर्मयोग का उपदेश दिया था। माता-पिता केवल हमारे शरीर की उत्पत्ति के कारण है लेकिन हमारे जीवन को सुसंस्कृत करके उसे सर्वांग सुंदर बनाने का कार्य गुरु या आचार्य का ही है। पहले गुरु उसे कहते थे जो विद्यार्थी को विद्या और अविद्या अर्थात आत्मज्ञान और सांसारिक ज्ञान दोनों का बोध कराते थे लेकिन बाद में आत्मज्ञान के लिए गुरु और सांसारिक ज्ञान के लिए आचार्य-ये दो पद अलग-अलग हो गए। भारत के महान् दार्शनिक ओशो ने जब यह कहा कि हमारी शिक्षण संस्थाएं अविद्या का प्रचार कर रही हैं तो लोगों ने आपत्ति की लेकिन वे बात सही कह रहे थे। आज हमारे विद्यालयों में ज्ञान का नहीं बल्कि सूचनाओं का हस्तांतरण हो रहा है। विद्यार्थियों का ज्ञान से अब कोई वास्ता नहीं रहा इसलिए आज हमारे पास डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, न्यायाधीश, वैज्ञानिक और वास्तुकारों की तो एक बड़ी भीड़ जमा है लेकिन ज्ञान के अभाव में चरित्र और चरित्र के बिना सुंदर समाज की कल्पना दिवास्वप्न बन कर रह गई है। गुरु के प्रति अविचल आस्था ही वह द्वार है जिससे ज्ञान का हस्तांतरण संभव है। हमें इन तथ्यों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। यह सत्य है कि आज हम जिस सामाजिक और आर्थिक परिवेश में सांस ले रहे हैं वहां इन पुरानी व्यवस्थाओं की चर्चा निरर्थक हैं परंतु इनके सार्थक और शाश्वत अंशों को तो हम ग्रहण कर ही सकते हैं। सच्चा गुरु ही भगवान तुल्य है। इसीलिए कहा गया है कि 'गुरु-गोविंद दोऊ खड़े काके लागूं पांय, बलिहारी गुरु आपनो जिन गोविंद दियो मिलाय।' यानी भगवान से भी अधिक महत्व गुरु को दिया गया है। यदि गुरु रास्ता न बताये तो हम भगवान तक नहीं पहुंच सकते। अतः सच्चा गुरु मिलने पर उनके चरणों में सब कुछ न्यौछावर कर दीजिये। उनके उपदेशों को अक्षरशः मानिये और जीवन में उतारिये। सभी मनुष्य अपने भीतर बैठे इस परम गुरु को जगायें क्योंकि गुरु जीवन को नया घाट देते हैं। यही गुरु-पूर्णिमा की सार्थकता है तथा इसी के साथ अपने गुरु का भी सम्मान करें।

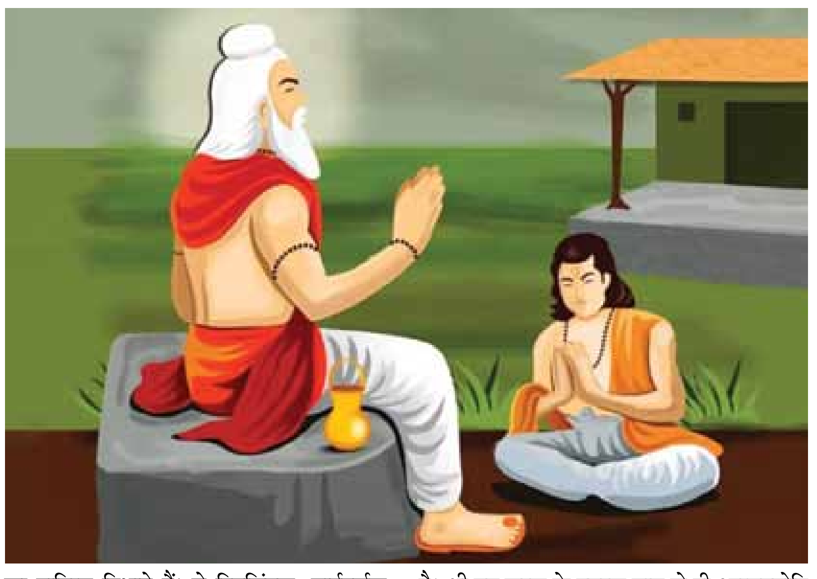

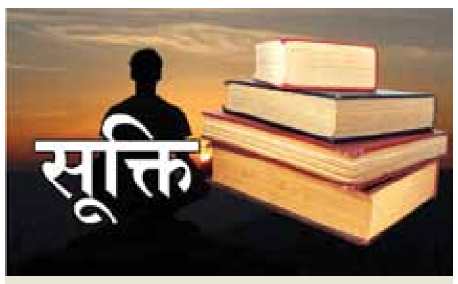

चिड़चिड़ेपन को हमें हीनता की भावना का लक्षण समझना चाहिए।
- एल्फ्रेड एडलर

मेरे विचार से विद्धवानो के पत्र मानव के समस्त कथनो से श्रेष्ठ हैं।
- फ्रांसिस बेकन

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, अषाढ़ शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि 15, रविवासरे, उत्तराषाढ़ा नक्षत्रे, विष कुंभ योगे, गुरु करणे, तथा व्यास पूजा तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, उत्तम वृत्ति वाला, धनी-मानी, वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, योगी-भोगी, शिक्षक, उत्तम नीतप्रिय, जिद्दी-हठी, स्वाभीमानी, सैनिक-सिपाही, कमाण्डर, बिग्रेडियर होगा।

मेष राशि - धन का व्यय होगा, तनावपूर्ण वातावरण से बचिये, कार्य पर ध्यान अवश्य दें।

वृष राशि - अधिकारियों के समर्थन से सफलता मिलेगी, कार्य कुशलता से संतोष होगा, कार्य करें।

मिथुन राशि - चिन्तायें कम होंगी, सफलता के साधन जुटायें तथा शुभ समय की प्राप्ति होगी।

कर्क राशि - बड़े-बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा तथा भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति अवश्य होगी।

सिंह राशि - स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास होगा तथा भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, समय का लाभ लें।

कन्या राशि - प्रतिष्ठा बाल-बाल बचे, संघर्ष से सफलता मिलेगी, अधिकारियों से वाद-विवाद हो सकता है।

तुला राशि - कुटुम्ब और धन की चिन्ता बनी रहेगी, परिश्रम के साथ कार्य अवश्य बना लें।

वृश्चिक राशि - प्रत्येक कार्य में बाधा क्लेशयुक्त रखेगी, स्थिति सामर्थ्य योग्य बनेगी, धैर्य से कार्य करें।

धनु राशि - भावनायें विक्षुब्ध रहेंगी, दैनिक कार्यगति मंद रहेगी, परिश्रम से कार्य अवश्य बना लें।

मकर राशि - तनाव, क्लेश व अशांति, धन का व्यय होगा, मानसिक अशांति अवश्य बनेगी।

कुंभ राशि - कार्य कुशलता से संतोष होगा, व्यवसायिक समृद्धि के कार्य अवश्य होंगे, ध्यान दें।

मीन राशि - कुटुम्ब के कार्य में समय बीतेगा, हर्षप्रद समाचार अवश्य ही मिलेगा।

सेवा-समर्पण का पर्व है गुरु पूर्णिमा

योगेश कुमार गोयल

प्राचीन काल से ही गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु की पूजा करने का चलन है , जो इस वर्ष 21 जुलाई को मनाई जा रही है। दरअसल प्रतिवर्ष गुरु पूर्णिमा आषाढ़ मास की पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। गुरु पूर्णिमा का संबंध महाभारत के रचयिता महर्षि श्रीकृष्ण द्वैपायन से जुड़ा है, जिनका जन्म इसी दिन हुआ माना जाता है। संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान महर्षि द्वैपायन ने ही सनातन धर्म के चारों वेदों की रचना की थी, इसीलिए उन्हें महर्षि वेद व्यास के नाम से जाना गया। वैसे तो गुरु पूर्णिमा का पर्व शास्त्रों में गुरुओं को समर्पित है लेकिन सही मायनों में यह आदिगुरु वेद व्यास के सम्मान में ही मनाया जाता है और इसीलिए इसे 'व्यास पूर्णिमा' भी कहा जाता है। महर्षि वेद व्यास ने एक लाख श्लोक वाला महाभारत, 18 पुराण और ब्रह्म-सूत्र की रचना के साथ एक वेद को चार वेदों में विस्तारित कर समस्त संसार को ज्ञान से प्रकाशित किया था, इसीलिए उन्हें आदि-गुरु का दर्जा प्राप्त है। हिन्दू धर्म में तो गुरु को ईश्वर से भी बढ़कर माना गया है और गुरु की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा भी गया है कि गुरु ही ब्रह्मा है, गुरु ही विष्णु है, गुरु ही शंकर है, गुरु ही साक्षात् परब्रह्म है, ऐसे सद्गुरु को प्रणाम। गुरु को 'गुरु' इसीलिए कहा जाता है क्योंकि वह अज्ञान रूपी अंधकार को हटाकर जीवन को ज्ञान रूपी प्रकाश से आलोकित करता है। ज्ञान की रोशनी सभी प्रकार के अंधकार को मिटा देती है, इसीलिए जीवन में गुरु का स्थान सबसे ऊंचा है। 'गुरु' में 'गु' शब्द का अर्थ है अंधकार (अज्ञान) और 'रु' का अर्थ है उसे मिटाने वाला और इस प्रकार गुरु का अर्थ हुआ अंधकार रूपी अज्ञान को मिटाने वाला। गुरु ही एकमात्र ऐसा व्यक्ति होता है, जो अंधकार को मिटाकर प्रकाश के उजाले से हमारी अंतरात्मा और मन को प्रकाशित कर सकता है। एक अच्छा गुरु जीवन में रोशनी लाने का कार्य करता है, जिससे जीवन प्रकाशमान हो जाता है। गुरु साधक के अज्ञान को मिटाता है, ताकि वह अपने भीतर सृष्टि के स्रोत का अनुभव कर सके। शास्त्रों में अज्ञान रूपी अंधकार को नष्ट करने वाला जो ब्रह्म रूप प्रकाश है, वही गुरु है अर्थात् अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को ही 'गुरु' कहा जाता है। गुरु की महिमा का बखान करते हुए संत कबीरदास कहते हैः-भली भई जो गुरु मिल्या, नहीं तर होती हाणि। दीपक दिष्टि पतंग ज्यूं, पड़ता पूरी जाणि। कबीरदास के इस दोहे का अर्थ है कि अच्छा हुआ जो गुरु मिल गए, अन्यथा तो मेरी हानि ही होती। जैसे दीपक की अग्नि की ओर पतंगे आकृष्ट हो जाते हैं, वैसे ही मैं भी विषय वासनाओं और माया की और आकृष्ट हो जाता और परिणामस्वरूप अमूल्य जीवन को नष्ट कर देता। मनुस्मृति के अनुसार ऐसे व्यक्ति को ही गुरु बनाना चाहिए, जो क्षमा, दया, तपस्या, पवित्रता, यम, नियम, दान, सत्य, विद्या, संतोष इत्यादि दस गुणों से सम्पन्न हो। गुरु की कृपा से ही विद्यार्थियों को विद्या की प्राप्ति होती है और उनके अंदर का अज्ञान तथा अंधकार दूर होता है। गुरु कृपा से ही विश्व के समस्त सुखों, ऐश्वर्य और स्वर्ग की सम्पदा प्राप्त हो सकती है, जो बड़े-बड़े योगियों को भी नसीब नहीं होती। गुरु तथा देवता में समानता के बारे में कहा गया है कि देवताओं के लिए जैसी भक्ति की आवश्यकता है, वैसी ही गुरु के लिए भी है। अच्छे गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है लेकिन गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं। वैसे तो गुरु को सभी धर्मों में विशेष महत्व दिया जाता रहा है लेकिन एक अच्छे गुरु का स्थान हिन्दू धर्म में भगवान से भी बढ़कर है। गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागु पांव, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए। शास्त्रों में कहा गया है कि गुरु के बिना ज्ञान प्राप्त करना कठिन है और अगर शिष्य को अपने गुरु पर पूर्ण विश्वास हो तो उसका बुरा स्वयं गुरु भी नहीं कर सकते। गुरु पूर्णिमा को बौद्ध धर्म के अनुयायी गौतम बुद्ध द्वारा सारनाथ में दिए गए पहले उपदेश के सम्मान में मनाते हैं। सिख धर्म में केवल एक ईश्वर और अपने सभी दसों गुरुओं की वाणी को ही जीवन के वास्तविक सत्य के रूप में मानते है। जैन धर्म के अनुसार इस दिन को चौमासा अर्थात चार महीने के बारिश के मौसम की शुरुआत के रूप में तथा त्रीनोक गुहा पूर्णिमा के रूप में माना जाता है। गुरु पूर्णिमा का पर्व वास्तव में मानव जीवन में गुरु के विशिष्ट स्थान को दर्शाता है। एक दोहे में गुरु की महिमा के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा गया हैः- गुरु को पारस जानिए, करे लौह को स्वर्ण।

नेताओं में कमाल का सेवा भाव

अजीत द्विवेदी

नेताओं में कमाल का सेवा भाव होता है। वे जनता की, समाज की, देश की सेवा करने को ऐसे आतुर रहते हैं कि जनता भी हैरान परेशान रहती है। नेताओं को हर हाल में सेवा करनी होती है। जनता नहीं चाहे तब भी उनको सेवा करनी होती है। उम्र और सेहत साथ नहीं दे तब भी सेवा करनी होती है। पार्टी टिकट काट दे तो पार्टी बदल कर सेवा करनी होती है। अगर कोई भी पार्टी टिकट नहीं दे तब वे निर्दलीय चुनाव लड़ते हैं ताकि लोगों की और देश की सेवा कर सकें। यह राजनीति का सार्वभौमिक यानी यूनिवर्सल सत्य है। कुछ नेता इसके अपवाद होते हैं लेकिन अपवादों से तो नियम प्रमाणित होता है। सो, नियम यह है कि हर हाल में सेवा करनी है। देश का विकास करना है। देश को महान बनाना है। देश का गौरव वापस लौटाना है। यह सेवा भाव सचमुच अद्भुत है। नरेंद्र मोदी से लेकर नीतीश कुमार और जो बाइडेन से लेकर डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन से बेंजामिन नेतन्याहू तक में यह सेवा भाव कूट कूट कर भरा है। सबको अपने देश की या राज्य की सेवा करनी है। सबको लगता है कि अगर वह नहीं रहा तो देश का क्या होगा? नागरिकों को कौन बचाएगा? कौन उनको रोजी रोटी देगा? सबने भगवान कृष्ण की तरह अपनी कानी उंगली पर गोवर्धन उठा रखा है। सब टिटहरी की तरह उलटे लटके हैं और सबको लग रहा है कि उन्होंने आसमान को थाम रखा है, अगर हटे तो आसमान गिर पड़ेगा। असल में यह सेवा भाव नहीं है, बल्कि सत्ता की लालसा है, जो छूटती नहीं है। बहुत कम नेता ऐसे हुए, जिन्होंने सत्ता की लालसा त्याग दी। जिन्होंने कबीर की तरह ज्यों की त्यों चदरिया धर दी। ज्यादातर ने चादर ऐसे ओढ़े रखी कि वे तो छोड़ना चाह रहे हैं लेकिन चादर उन्हें नहीं छोड़ रहा है। यह धूर्तता और हिप्पोक्रेसी आज के समय में राजनीति की पहचान बन गई है। अभी अमेरिका में आम चुनाव होने वाले हैं। पिछली बार चुनाव हारने और पूरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े करने वाले डोनाल्ड ट्रम्प फिर से चुनाव लड़ने पहुंच गए हैं। क्योंकि उनको अमेरिका की सेवा करनी है और अमेरिका को फिर से महान बनाना है। उनको लग रहा है कि अगर उन्होंने नहीं किया तो अपनी महानता खो चुका अमेरिका फिर से महान नहीं हो पाएगा। इसलिए 78 साल की उम्र में वे चुनाव लड़ने उतर गए हैं। उनके ऊपर जानलेवा हमला हुआ है लेकिन गोली खाने के बावजूद उनको देश की सेवा करनी है। इसी तरह पिछली बार अमेरिकी नागरिकों की समस्त संचित पुण्यता के दम पर जैसे तैसे चुनाव जीते जो बाइडेन 81 साल के हो गए हैं लेकिन उनको भी अभी अमेरिका की सेवा करनी है। उनकी सेहत खराब है। वे भूलने लगे हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर वे उलजुलूल हरकतें कर रहे हैं। लेकिन उनको भी लग रहा है कि उनके सिवा ट्रम्प को कोई हरा नहीं सकता है। उनकी पार्टी के 50 फीसदी से ज्यादा लोग चाहते हैं कि वे राष्ट्रपति की उम्मीदवारी छोड़ दें। उनका खुल कर समर्थन करने वाली अमेरिका की हॉलीवुड के अनेक कलाकार उनसे अपील कर रहे हैं लेकिन वे कह रहे हैं कि भगवान आकर कहें तभी वे चुनाव मैदान से हटेंगे। उधर रूस में व्लादिमीर पुतिन अपने देश का महान गौरव वापस लौटा लाने के लिए राष्ट्रपति की कुर्सी पर बैठे हैं। वे पिछले 20 साल से ज्यादा समय से देश की सत्ता पर काबिज हैं। वे पहले राष्ट्रपति बने। जब अधिकतम दो बार राष्ट्रपति रहने की सीमा पूरी हो गई तो वे प्रधानमंत्री बन गए और अपने करीबी मेदवेदेव को राष्ट्रपति बना दिया। एक बार प्रधानमंत्री बनने के बाद वे फिर से राष्ट्रपति बन गए। इस बार उनको लगा कि रूस की जनता की सेवा करने और रूस की महानता बहाल करने के लिए अनंतकाल तक राष्ट्रपति बने रहना होगा इसलिए उन्होंने संविधान बदल कर दो बार ही राष्ट्रपति रहने के प्रावधान को ही खत्म कर दिया। अब रूस के लोग अनंतकाल तक उनकी सेवा का लाभ ले सकते हैं। उन्होंने रूस को महान बनाने के लिए यूक्रेन के खिलाफ युद्ध छेड़ रखा है, जिसमें दोनों तरफ से हजारों लोगों की जान जा चुकी है और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं लेकिन अभी तक रूस की महानता बहाल नहीं हुई है। हां, यह जरूर हुआ है कि रूस को महान बनाते बनाते पुतिन लाखों करोड़ रुपए की संपत्ति के स्वामी हो गए हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू जनता और देश की सेवा करने की नेताओं की भावना के प्रतिनिधि व्यक्ति हैं। इजराइल की जनता उनको बार बार चुनाव हरा रही है लेकिन हर हार के बाद वे किसी न किसी गठजोड़ से प्रधानमंत्री बन जा रहे हैं। क्योंकि उनको पता है कि उनके अलावा दूसरा कोई न तो इजराइल के करीब एक करोड़ नागरिकों की सेवा कर सकता है और न उसकी महानता बचाए रख सकता है। इजराइल की महानता की स्थिति यह है कि उसकी खुफिया एजेंसी मोसाद की पोल खुल चुकी है। हमास ने उसके ऊपर इतना

बड़ा हमला किया और उसे कुछ पता नहीं चला। न तो खुफिया एजेंसी हमले का पता लगा सकी और न आइरन डोम हमले को रोक सका। हमला होने के 10 महीने बाद भी इजराइल से अगवा हुए दो सौ नागरिकों का पता मोसाद को नहीं लगा है। लेकिन इतिहास की सबसे बर्बर लड़ाइयों में से एक लड़ाई जारी है। गाजा और राफा में हजारों बेगुनाग लोग मारे जा चुके हैं और इजराइल की महानता पर ऐसा कलंक लगा है, जिसे वक्त भी नहीं मिटा सकता है। दुनिया के सबसे उदार, सहिष्णु और लोकतंत्र का सम्मान करने वाले फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का राजनीतिक प्रयोग विफल हो गया है। उन्होंने यूरोपीय संसद के चुनाव में दक्षिणपंथी ताकतों की जीत के बाद एक जुआ खेला था और समय से पहले फ्रांस के संसदीय चुनाव की घोषणा कर दी थी। इन चुनावों में उनका गठबंधन बुरी तरह से हारा। पहले चरण के मतदान म पिछडने के बाद धुर वामपंथी पार्टियों के साथ गठबंधन करने के बावजूद उनकी पार्टी दूसरे स्थान पर रही। लेकिन उन्होंने चुनाव के बीच में ही ऐलान कर दिया था अगर उनकी पार्टी और गठबंधन चुनाव हारते हैं तब भी वे राष्ट्रपति पद से इस्तीफा नहीं देंगे। क्योंकि उनको फ्रांस की सेवा करनी है और उसे धुर दक्षिणपंथी मरिन ल पेन से बचाना है। अगर वे नहीं रहेंगे तो फ्रांस नहीं बचेगा, इस सोच में उन्होंने वहां की जनता पर अहसान करते हुए पद से इस्तीफा नहीं दिया। इतना ही नहीं अपने बनाए प्रधानंमत्री का भी इस्तीफा नामंजूर कर दिया। अब दोनों मिल कर फ्रांस को बचाने का काम कर रहे हैं। बांग्लादेश में शेख हसीना ने तो देश की सेवा करने के लिए समूचे विपक्ष को ही जेल में डाल दिया या देश निकाला दे दिया ताकि वे चुनाव जीतें और देश की सेवा करें। श्रीलंका में जनता ने क्रांति कर दी और राजपक्षे बंधुओं को परिवार के साथ भागना पड़ा फिर भी उनका देश सेवा का जज्बा खत्म नहीं हुआ। वे अब अपने सहयोगी रानिल विक्रमसिंघे के सहारे देश सेवा कर रहे हैं। पाकिस्तान में नवाज शरीफ देश सेवा के लिए लंदन से लौट कर आए लेकिन जब जनता ने मौका नहीं दिया तो प्रतिद्वंद्वी इमरान खान को जेल भेज कर और उनकी पार्टी को चुनाव लड़ने से रोक कर सेना की मदद से दस तरह की तिकड़म करके सरकार बनाई और अपने भाई शहबाज शरीफ को गद्दी पर बैठाया ताकि वे पाकिस्तान की सेवा कर सकें। भारत का मामला भी अलग नहीं है। यहां तो नेता हमेशा देश सेवा के लिए तत्पर रहते हैं। समूचे विपक्ष को सत्ता का लालची बता कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के प्रधान सेवक के तौर पर पिछले 10 साल से देश की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने पार्टी के अनेक नेताओं को 75 साल की उम्र सीमा की वजह से रिटायर करा दिया लेकिन खुद 74 साल की उम्र में अगले पांच साल के लिए जनादेश हासिल किया है। वे भी अनंतकाल तक देश की सेवा करने की भावना रखते हैं क्योंकि उनको पता है कि उनके अलावा दूसरा कोई 140 करोड़ लोगों की सेवा नहीं कर सकता है और न भारत की महानता वापस ला सकता है। वे 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के सपने के साथ देश सेवा में जुटे हैं। भारत में नेताओं के अंदर नागरिकों की सेवा करने की भावना इतनी प्रबल है कि एक मुख्यमंत्री जेल में रह कर नागरिकों की सेवा कर रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार के मामले में 21 मार्च से जेल में हैं लेकिन वे वहीं से दिल्ली की महान जनता की सेवा कर रहे हैं। इसी तरह एक दूसरे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस्तीफा देकर जेल गए और जमानत पर जेल से निकलते ही फिर से मुख्यमंत्री बन गए क्योंकि उनको लगा कि जिन चम्पाई सोरेन को वे मुख्यमंत्री बना कर गए थे वे झारखंड की जनता की सेवा ठीक से नहीं कर पा रहे थे। उधर बिहार में नीतीश कुमार का हाल अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन वाला हो गया है, वे बातें भूलने लगे हैं और सार्वजनिक मंचों पर उलजुलूल हरकतें करते हैं लेकिन उनको बिहार की जनता की सेवा करनी है। क्योंकि उनको लगता है कि बिहार में जो कुछ भी है वह उन्होंने ही किया है और अगर वे नहीं रहेंगे तो बिहार समाप्त हो जाएगा।

शब्द पहेली - 8195

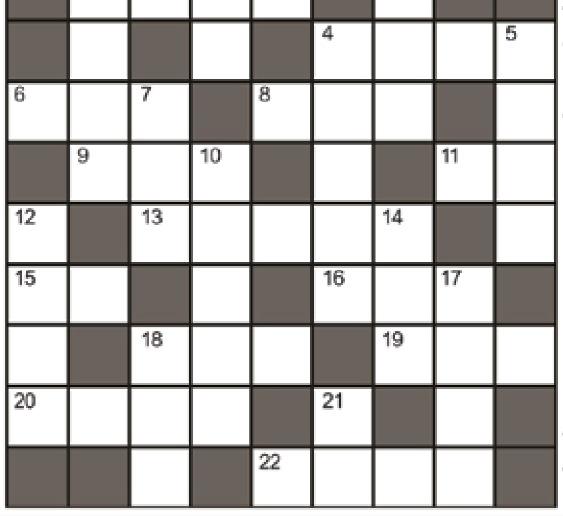

बाएँ से दाएँ

1. खटपट, ठनाठनी-4
4. पंजाब की एक नदी-4
6. चित्रकमेल, लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8. दंड, दम, शामन-3
9. धरा, भूमि-3
11. शासन व्यवस्था, रहस्य-2
13. नवचंद्राकार-5
15. अकेला-2
16. दया, करुणा-3
18. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19. देवर्षि, देवमुनि-3
20. सब्जी, भाजी-4
22. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

ऊपर से नीचे

1. गुनाह, दोष, जुर्म-3
2. अपराधमुक्त, निवृत्त-2
3. सौत, दूसरी स्त्री-3
4. होशियार, गुणवान-5
5. भूकम्प-4
7. भेद, तुलना-3
10. परिचर्या-5
12. स्वभाव-4
14. स्थित होना-3
17. श्मशान-4
18. गृह, भवन-3
21. जीवन, जीव, स्फूर्ति-2

शब्द पहेली -8194 का हल

क	न	का	र	■	ग	ज	ग	■
ला	त	■	बे	■	ज	■	ह	क
हा	■	या	या	ब	र	■	■	ल
र	स	द	■	ध	■	प	ला	श
■	■	ग	ल	■	जी	त	■	■
क	हा	र	■	आ	■	झ	र	ना
हा	■	■	ग	ठ	जो	ड़	■	म
नी	र	■	म	■	क	■	ना	व
■	ब	द	न	■	र	ह	ब	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु बवाल- 7133

★★★★☆ मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु बवाल -7132 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

जब 'वह' हों घर से दूर

अक्सर समाज में पति-पत्नी हमेशा एक साथ ही रहते हैं परन्तु बहुत से घर ऐसे होते हैं जहां पति को दूर रह कर नौकरी करनी पड़ती है। पति के दूर जाने के कई कारण हो सकते हैं। कारण कोई भी हो, उम्र का कोई भी पड़ाव हो, पत्नी को अकेलेपन का कहर सहना पड़ता है। ऐसे में उसे दूसरों की जरूरत महसूस होती है। ऐसे में क्या करें जो कुछ समय का यह दुख सुख में तबदील हो जाए...

पति के हिस्से का काम

पति के दूर जाते ही पति की जिम्मेदारियों को खुद निभाने की कोशिश करें। पति के हिस्से का काम करके आपको उनकी कमी महसूस नहीं होगी। जो व्यवहार आपके पति बच्चों के साथ करते हैं आप भी वैसा करके बच्चों को पिता की कमी महसूस न होने दें बल्कि उनको और भी ज्यादा प्यार से रखें।

पति से संपर्क रखें

पति के साथ लगातार संपर्क में रहें। उन्हें फोन करें, खत भेजें, एस.एम.एस. करें, चैटिंग करें इत्यादि। उन्हें यह महसूस न होने दें कि वह घर से दूर हैं या आप उनके करीब नहीं। वह आपको सही रास्ता बता सकते हैं कि आप मुश्किल समय में क्या करें और किसकी मदद लें।

खुद को व्यस्त कर लें

खुद को व्यस्त करने के लिए अपने अन्दर के गुणों को जगाएं। अगर आपको गाने का शौक है तो पति के आने से पहले खूब से गाने याद करके रखें, अचार-चटनियां बनाएं, पेंटिंग करें, कविता लिखें आदि।

डायरी लिखें

रोज अपने अनुभवों को डायरी में लिखें। हो सकता है आपकी बहुत सी मुश्किलों का हल आपको अपने अन्दर से मिलने लगे।

बच्चों में व्यस्त रहें

आपको चाहिए कि आप बच्चों को पिता की कमी न खलने दें। उनकी सारी जरूरतें पूरी करें। उन्हें मां तथा बाप दोनों बन कर दिखाएं। उन्हें पढ़ाएं और उनको भी व्यस्त रखें।

निडर बनें

अभी आपको अकेले जीवनयापन करने का अवसर मिल रहा है। आप अपनी तथा बच्चों की सुरक्षा खुद करें। समय पर घर के दरवाजे बन्द करें। रात को किसी गैर के लिए दरवाजा न खोलें। आस-पास हो रही हर बात की जानकारी रखें। खबरें जरूर सुनें। किसी को यह जाहिर न होने दें कि घर में आपके पति नहीं हैं। बच्चों को डर लगे तो खुद अपना डर जाहिर न होने दें ताकि वे घबराएं नहीं।

दूसरों से मेल-जोल बढ़ाएं

पड़ोसियों तथा रिश्तेदारों से अच्छे संबंध बना कर रखें। कब किसी की जरूरत पड़ जाए, क्या मालूम। छोटी-छोटी बात के लिए ईगो न दिखाएं। आपके पति की गैर-मौजूदगी में यही लोग आपके काम आएंगे।

भय से कम होता है बच्चों का मनोबल

छोटे-छोटे बच्चे भी डर जाते हैं। उनकी समझ में कुछ नहीं आता। वह बड़े प्रेम से आया है, मां की साड़ी खींच रहा है और मां झिड़क देती है कि दूर हट! उसे पता ही नहीं कि मां नाराज है। बच्चा सहम गया। अब दोबारा जब वह साड़ी के पास आएगा तो मन में भय होगा। सोचेगा दो बार, दस बार-पकडू साड़ी की नहीं। वह बड़े प्रेम से आया था कि पिता की गोद में बैठ जाएगा लेकिन पिता ने आज कीमती वस्त्र पहने हैं, वह किसी शादी-विवाह में जा रहे हैं। अब यह उनकी क्रीज बिगाड़ दे रहा है। इसे कुछ पता नहीं कि क्रीज भी होती है और शादी-विवाह में क्रीज बिगाड़कर नहीं जाना होता। बाप ने झिड़क दिया। इसकी कुछ समझ में नहीं आता कि क्या मामला है बच्चा भयभीत हो जाता है। जब अपनों से इतना डर है तो परायों का तो कहना ही क्या जब अपनों पर भी भरोसा नहीं किया जा सकता कि किस घड़ी प्रेम मिलेगा, तो दूसरों का तो क्या भरोसा। फिर बच्चा बड़ा होता है, स्कूल जाता है। वहां कोई अपना नहीं है। धीरे-धीरे बड़ी दुनिया में प्रवेश करता है, वह सिकुड़ जाता है। अब वह डरता है। लोग प्रेम करने को पैदा हुए हैं और प्रेम से भयभीत हैं। लोग बिना प्रेम के जीवन की गहनता को न जान पाएंगे और प्रेम से भयभीत हैं। लोग बढ़ना चाहते हैं, प्रेम करना चाहते हैं लेकिन डर है अस्वीकार का। चोट लगेगी। उससे बेहतर अकेले जी लेना है। कम से कम किसी को चोट देने का मौका तो नहीं दिया, अपमान तो नहीं हुआ इसलिए चट्टान से, वृक्ष से प्रेम करो। वे तुम्हें इन्कार न करेंगे और वे उतने ही प्रेम के लिए आतुर हैं जितना कोई और उनसे तुम्हें कभी चोट नहीं पहुंचेगी।

ज्यादा पैसा बनाता है इंसान को तंगदिल कंजूस और अकेला

सच ही कहा है कि पैसा इंसान को पागल बना देता है। दरअसल धनी व्यक्ति ज्यादा तंगदिल, कंजूस, व्यक्तिवादी, भौतिकवादी बन जाता है जिससे वह समाज और परिवार से कट जाता है और खुद की रंगीन दुनिया में अकेला रह जाता है। कैलिफोर्निया की बर्कले यूनिवर्सिटी के दो प्रोफेसरों ने अपने शोध में इस बात का खुलासा किया है कि अमीर व्यक्तितंगदिल,कंजूस होता है और वह वक्त पर दूसरों की मदद करने में विश्वास नहीं रखता।

उसके लिए परिवार की थोडी बहुत महत्ता तो होती है लेकिन उसकी परिभाषा से समाज सिरे से गायब हो जाता है। शोध के अनुसार, जब इंसान अमीर बन जाता है तो उसे दूसरों की परेशानियां दिखनी बंद हो जाती हैं और वह खुद में व्यस्त हो जाता है। ग्रेटर गुड साइंस सेंटर के निदेशक और बर्कले यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान के प्रोफेसर दाशे केल्नर और विकासात्मक मनोविज्ञान की प्रोफेसर पैट्रिशिया ग्रीनफील्ड ने अपने शोध के जरिये यह बताया है कि किस तरह से लोगों की नजर अमीर होने पर बदल जाती है। इस शोध के तहत पैट्रिशिया ने मेक्सिको के एक गांव शियापास का 40 साल तक अध्ययन किया और साथ ही उन्होंने गूगल पर कई लाख किताबों का अध्ययन करके यह पता लगाने की कोशिश की किस तरह अमीरी आने से लोगों की शब्दावली भी बदल जाती है। इस शोध से पता चला कि मेक्सिको के शियापास गांव के लोग जब गरीब थे तो वे सामुदायिक कार्यक्रमों का आयोजन करते थे और उसमें हिस्सेदारी लेते थे। पैट्रिशिया ने कहा कि जब इस गांव के लोग अमीर हो गए तो वहां के लोगों में व्यक्तिवाद की भावना बढने लगी और उनका सामाजिक बंधन धीरे धीरे कमजोर पडने लगा। पैट्रिशिया के मुताबिक अमेरिका में भी यही बदलाव आया है।

...ताकि बच्चे रहें दिमाग से तंदरुस्त

ऐसे कई बच्चे हैं जो देखने में तो स्वस्थ नजर आते हैं परंतु उनकी स्मरण क्षमता दूसरे बच्चों के मुकाबले काफी कम होती है इसीलिए ऐसे बच्चों को अक्सर मंदबुद्धि कह दिया जाता है। इसकी वजह उनके शरीर में डी.एच.ए. (डोकोसा हैक्सानोइक एसिड) की कमी होना है जिससे उनका मानसिक विकास नहीं हो पाता। इसकी पूर्ति भोजन के माध्यम से की जाती है। यही कारण है कि बच्चों को ही नहीं, गर्भवती महिलाओं के लिए भी जरूरी है कि वे डी.एच.ए. की उचित मात्रा प्राप्त करें क्योंकि बच्चे का मानसिक विकास तो मां के गर्भ से ही आरंभ होता है।

यह होता है डी.एच.ए.

- डी.एच.ए. एक प्रकार का ओमेगा-3 फैटी एसिड है जिसे लांग चेन पॉलीअनसैचुरेटेड एसिड कहा जाता है। इसकी रचना मानव शरीर में नहीं होती बल्कि इसे खान-पान से प्राप्त किया जाता है।
- डी.एच.ए. का प्रयोग मुख्य रूप से दिमाग की संरचना और आंखों के रैटिना के लिए होता है। यह दिमाग के विकास और केंद्रीय तंत्रिका प्रणाली की कार्यक्षमता बढ़ाता है।

बच्चों के लिए है जरूरी

2 से 6 वर्ष तक के बच्चों का बौद्धिक एवं मानसिक विकास तेजी से होता है। अतः उसके शारीरिक विकास के लिए उसे कैल्शियम, आयरन, विटामिन, मैग्नीशियम और प्रोटीन की उचित मात्रा दें। ये बच्चों के समुचित विकास के लिए अति आवश्यक पोषक तत्व हैं तथा इससे उनकी स्मरण क्षमता का विकास होता है। याद रखें कि स्मरण क्षमता का सीधा असर बच्चे की पढ़ाई पर पड़ता है और वे मानसिक तनाव के भी शिकार हो सकते हैं।

गर्भवती महिलाएं रखें ख्याल

एक गर्भवती महिला के खान-पान का सीधा असर उसके गर्भ में पल रहे बच्चे पर सबसे ज्यादा पड़ता है। जन्म के बाद भी उन्हें डी.एच.ए. की मात्रा मां के दूध से ही प्राप्त होती है। महिला को गर्भ के 5वें महीने या 20वें सप्ताह से 200 से 300 मिलीग्राम डी.एच.ए. की मात्रा का प्रतिदिन सेवन करना चाहिए।

दूध लें नियम से

संपूर्ण पोषण के लिए एक बच्चे को हर रोज 400 एम.एल. अर्थात दो गिलास दूध पीने को दें। दूध में डी.एच.ए. के अलावा विटामिन, प्रोटीन एवं कैल्शियम पाया जाता है। इसके अलावा बच्चे को दही एवं दूध से बनी चीजें भी खाने को दें। यदि बच्चा दूध पीने से इंकार करता है तो उसके दूध में हैल्थ ड्रिंक मिला कर दें। इन हैल्थ ड्रिंक्स में डी.एच.ए. पाया जाता है। इसके अलावा उसे दूध से बने मैंगो शेक, वनिला शेक, स्ट्राबरी शेक या अन्य फ्लेवर्ड मिल्क भी दे सकती हैं।

इनसे मिलता है डी.एच.ए.

- ठंडे पानी में पाई जाने वाली मछलियों जैसे सालमन, टूना, हेरिंग, कौड एवं सार्डाडन में डी.एच.ए. की मात्रा सबसे ज्यादा पाई जाती है।
- शैवाल से प्राप्त डी.एच.ए. शाकाहारी होता है तथा यह बहुत से पेय एवं खाद्य पदार्थों में मिलता है।
- अंडे में ओमेगा-3 फैटी एसिड और प्रोटीन दोनों पाए जाते हैं। आमलेट की जगह उबला अंडा खाएं तथा बच्चों को नाश्ते में दें।
- पनीर का सेवन करें। कच्चे पनीर को सैंडविच में डाल कर बच्चों को दे सकती हैं।
- बींस, मूंगफली, मछली तथा कॉटेज चीज में भी प्रोटीन पाया जाता है, इसलिए बच्चों को नियमित रूप से ये चीजें दें।
- बच्चों को हर प्रकार के फल दें ताकि उन्हें विटामिन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और प्रोटीन भरपूर मिल सकें। अगर चाट के रूप में बच्चों को फल दिए जाएं तो वे इसे चाव से खाते हैं।
- मेवों में डी.एच.ए. नहीं बल्कि ए.एल.ए. की मात्रा होती है, यह भी एक प्रकार का ओमेगा फैटी एसिड होता है जो शरीर में जाकर डी.एच.ए. के रूप में कुछ हद तक परिवर्तित हो जाता है।

अगले माह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

सिडनी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगस्त में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। इस दौरे में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के साथ तीन मैचों की टी20 सीरीज के साथ ही तीन एकदिवसीय के अलावा एक चार दिवसीय मैच भी खेलना है। इससे बांग्लादेश में साल के आखिर में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके अलावा उसे अपनी कमियों का भी पता चलेगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस दौरे का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इसमें ताहलिया मैकग्रा ऑस्ट्रेलियाई 20 और 50 ओवरों की टीम की कप्तानी करेंगी। वहीं चार्ली नॉट को चार दिवसीय मैच के लिए कप्तान बनाया गया है। इस दौर में सभी तीन टी20 मैच ब्रिसबेन में जबकि एकदिवसीय मैच मैके में खेले जाएंगे। एकमात्र चार दिवसीय मैच गोल्ड कोस्ट में खेला जाएगा। पहला टी20 मैच 07 अगस्त , दूसरा टी20 09 अगस्त जबकि तीसरा तीसरा टी20 11 अगस्त को खेला जाएगा।

वहीं पहला एकदिवसीय 14 अगस्त, दूसरा 16 अगस्त को व तीसरा एकदिवसीय 18 अगस्त को खेला जाएगा। एकमात्र चार दिवसीय मैच 22 से 25 अगस्त तक होगा।

टी20 टीम : ताहलिया मैकग्रा (कप्तान), मैडी डार्के, सोफी डे, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, किम गार्थ, चार्ली नॉट, कैटी मैक, ग्रेस पार्सोंस, मेगान शट, कर्टनी सिप्पेल, टायला वी, ताहलिया विल्सन।

एकदिवसीय टीम : ताहलिया मैकग्रा (कप्तान), मेटलान ब्राउन, मैडी डार्के ,सोफी डे, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, किम गार्थ, चार्ली नॉट, कैटी मैक, ग्रेस पार्सोंस, मेगान शट, कर्टनी सिप्पेल, टायला वी, ताहलिया विल्सन।

चार दिवसीय टीम : चार्ली नॉट (कप्तान), मेटलान ब्राउन, मैडी डार्के, सोफी डे, एम्मा डे ब्रूग, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, कैटी मैक, लिली मिल्स, ग्रेस पार्सोंस, केट पीटरसन, कर्टनी सिप्पेल, जॉर्जिया वोल।

बाबर सहित पाक क्रिकेटरों का ग्लोबल टी20 कनाडाई लीग में खेलना संदिग्ध

लाहौर। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाजों बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी का आगामी ग्लोबल टी20 कनाडाई क्रिकेट लीग में खेलना संदिग्ध नजर आता है। इसका कारण है कि इन्हें पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) शायद ही अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दे। इसका कारण है कि इस लीग का कार्यक्रम टीम के अंतरराष्ट्रीय मैचों से टकरा सकता है। पाक और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 21 अगस्त से होगी। वहीं कनाडाई लीग 25 जुलाई से 11 अगस्त तक खेली जाएगी। यह भी बताया गया कि एनओसी न मिलने का कारण यह है कि सभी प्रारूपों में खेलने वाले खिलाड़ियों को नीति के अनुसार प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा। पीसीबी खिलाड़ियों को एनओसी जारी करने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि उनके आगे बहुत व्यस्त कार्यक्रम है। इससे पहले तेज गेंदबाज नसीम शाह को भी पिछले सप्ताह द हंड्रेड में खेलने के लिए एनओसी नहीं दी गई थी। वहीं पीसीबी की ओर से कहा गया है कि नसीम के आवेदन को चोटों से बचाने के लिए खारिज कर दिया गया है। इसके अलावा मोहम्मद आमिर, मोहम्मद नवाज, आसिफ अली और इफ्तिखार अहमद के पास भी ग्लोबल टी 20 कनाडा अनुबंध हैं। पीसीबी के अध्यक्ष नकवी ने कहा कि खिलाड़ियों को कुछ मानदंडों के आधार पर ही एनओसी मिलेगी। जो खिलाड़ी मानदंडों को पूरा करते हैं, उन्हें एनओसी मिलेगी।

अब कोच की भूमिका में नजर आ सकते हैं एंडरसन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन अब कोच की भूमिका में नजर आ सकते हैं। 41 साल के एंडरसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद ही खेल को अलविदा कह दिया था। संन्यास से पहले ही उन्होंने कहा था कि वह कोचिंग करने के साथ ही तेज गेंदबाजों को खेल के बारे में जानकारी देने का काम करेंगे।

वहीं इंग्लैंड के प्रबंध निदेशक रॉब ने कहा था कि एंडरसन मेंटर की भूमिका में टीम के साथ बने रहेंगे। रॉब के अनुसार प्रशंसक अब एंडरसन को मेंटर के रूप में टीम के साथ देखेंगे। रॉब ने कहा, एंडरसन हमारे सेट-अप में बने रहेंगे, और वह मेंटर के रूप में मदद करेंगे। हम एक बेहतरीन कोच विकास कार्यक्रम स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे एंडरसन करना चाहते हैं, इसपर हम गर्मियों के अंत में इस पर विचार करेंगे। उन्होंने कहा, उनके पास खेल को देने के लिए बहुत कुछ है, इसलिए हम उसे जाते हुए नहीं देखना चाहते हैं।

एंडरसन ने कहा, यह एक अजीब एहसास है जब आप 20 साल तक कुछ करते हैं और फिर अचानक आपको कुछ और करना पड़ता है।

एंडरसन ने कहा कि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का उन पर सबसे अधिक प्रभाव रहा है, क्योंकि उन्होंने उन्हें एक खिलाड़ी के रूप में बहुत स्पष्टता दी। उन्हें अपने पूर्व कप्तान की तीव्रता और दृढ़ता भी पसंद थी। इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने स्विंग के साथ-साथ रिवर्स स्विंग में विशेषज्ञता के साथ ही लाल गेंद के क्रिकेट पर अपना प्रभाव बनाया है।

जोथनपुइया के आने से ईस्ट बंगाल बेहतर होगी : प्रबंधन

कोलकाता। ईस्ट बंगाल एफसी ने मिजोरम के मार्क जोथनपुइया से करार किया है। जोथनपुइया 2026-27 सत्र के अंत तक ईस्ट बंगाल से खेलेंगे। टीम प्रबंधन के अनुसार जोथनपुइया के आने से टीम को मिडफील्ड और रक्षापंक्ति के लिए एक बेहतर खिलाड़ी मिल जाएगा। ईस्ट बंगाल एफसी प्रबंधन ने जोथनपुइया को शामिल किये जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इस खिलाड़ी के आने से टीम का प्रदर्शन बेहतर होगा। साथ ही कहा कि जोथनपुइया देश के सबसे उभरते हुए युवा खिलाड़ियों में से एक हैं। वह हमारी टीम में एक मूल्यवान सदस्य होंगे। उनका भविष्य उज्ज्वल है और हम उनसे बेहतरीन प्रदर्शन लेने का प्रयास करेंगे।

जोथनपुइया ने एफसी पुणे सिटी की युवा टीम और फिर हैदराबाद एफसी की मुख्य टीम की ओर से 2020-21 सत्र में खेला है। वह 2021-22 सत्र में आईएसएल विजेता टीम में शामिल रहे हैं। जोथनपुइया अभी भारतीय अंडर-23 टीम से खेलते हैं। एफसी ने जोथनपुइया के साथ तीन साल के लिए करार किया है। ऐसे में इस खिलाड़ी ने कहा , ''ईस्ट बंगाल जैसे बड़े क्लब के लिए खेलना किसी भी युवा भारतीय खिलाड़ी के लिए एक सपना है। मेरा प्रयास उसके लिए बेहतरीन प्रदर्शन करना रहेगा।

वर्ल्ड मास्टर्स अगस्त में होगी, 6 टीमें शामिल होंगी

जोहांसबर्ग। यहां अगले माह अगस्त में होने वाली वर्ल्ड मास्टर्स टी20 लीग 2024 के लिए पूर्व क्रिकेटर जोंटी रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। दक्षिण अफ्रीका के किंग्समीड स्टेडियम में होने वाली इस लीग में कुल 6 टीमें इंद्रप्रस्थ वॉरियर्स, गल्फ सुपरस्टार्स, सिडनी स्पार्टन्स, कोलंबो टाइटन्स, लाहौर लायंस और कैरेबियन पाइरेट्स शामिल होंगी। इसमें दक्षिण अफ्रीका , ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान के अलावा भारतीय क्रिकेटर भी भाग लेंगे।

वर्ल्ड मास्टर्स लीग का ब्रांड एंबेसडर बनने पर रोड्स ने खुशी जताते हुए कहा कि यह टूर्नामेंट दुनिया भर की बेहतरीन क्रिकेट प्रतिभाओं को एक मंच पर लाने का काम कर रहा है, ऐसे में इसका हिस्सा होना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। साथ ही कहा कि बेहतरीन खिलाड़ियों से सजे इस टूर्नामेंट का प्रचार करने के लिए मैं पूरी तरह से तैयार हूं। रोड्स ने साल 1992 से 2003 तक दक्षिण अफ्रीका की तरफ से 52 टेस्ट और 245 एकदिवसीय मैच खेले हैं। टेस्ट में 35.66 और एकदिवसीय में उनके नाम 35.11 के बल्लेबाजी औसत के साथ ही 8,000 से अधिक रन हैं। रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाने के बाद लीग के सीईओ राजीव मिश्रा ने कहा कि हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि रोड्स इस लीग के ब्रांड एंबेसडर होंगे। इस लीग में दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज हर्शल गिब्स भी नजर आयेंगे। लीग में भारत से पूर्व तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल, पाकिस्तान के शोएब मलिक और श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर एंजेलो परेरा और धामिका प्रसाद भी उतरेंगे।

व्यापार

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी तेजी रही

- सेंसेक्स 738 अंक गिरकर 80,600 पर बंद
- निफ्टी 269 अंक टूटकर 24,530 पर बंद

मुंबई। पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में लगभग एक फीसदी की तेजी दर्ज की गई। बुधवार को मोहर्रम के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने से एक दिन कम कारोबार हुआ। सप्ताह की शुरुआत में तेजी के साथ खुले शेयर बाजार मुनाफावसूली और तकनीकी दिक्कतों के कारण वैश्विक स्तर पर हुई बिक्री के चलते शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में तीन दिन तेजी और एक दिन गिरावट दर्ज की गई। पिछले सप्ताह के चार कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो वैश्विक बाजारों में तेजी की वजह से सप्ताह पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयर वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 290.46 अंक चढ़कर 80,809.80 अंक पर खुला और 145.52 अंक चढ़कर 80,664.86 अंक के नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 95.85 अंक की बढ़त के साथ 24,598 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर खुला और 84.55 अंक की बढ़त के साथ 24,586.70 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। वैश्विक बाजार में बढ़त के बीच भारतीय बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स मंगलवार को बढ़त के साथ कारोबार करते दिखे। बीएसई सेंसेक्स 97 अंक बढ़कर 80,762 पर खुला और 51.69 अंक मजबूत होकर 80,716.55 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 29 अंक ऊपर 24,615 पर खुला और 26.30 अंकों की बढ़त के साथ 24,613.00 पर बंद हुआ। गुरुवार के कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स 750 अंकों की उछाल के सा अपने नए ऑल टाइम हाई 81485.9 पर खुला और 626.91 अंकों की बढ़त के साथ 81,343.46 पर बंद हुआ। निफ्टी 24,829.35 के सर्वोच्च स्तर पर खुला और 187.85 अंक मजबूत होकर 24,800.85 के स्तर पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स रिकॉर्ड ऊंचाइयों पर खुलकर फिसल गए। शुक्रवार को सेंसेक्स 146 अंकों की गिरावट के साथ 81,198 के स्तर पर खुला और 738.81 (0.90 फीसदी) अंकों की गिरावट के साथ 80,604.65 पर बंद हुआ। निफ्टी 59 अंक फिसलकर 24741 पर खुला और 269.95 (1.09 फीसदी) अंक टूटकर 24,530.90 पर बंद हुआ।

भारत में हॉनर 200 5जी और हॉनर 200 प्रो 5जी लांच

हैंडसेट की खरीद पर स्पेशल ऑफर की भी घोषणा

नई दिल्ली। भारत में हॉनर 200 5जी और हॉनर 200 प्रो 5जी स्मार्टफोन लॉन्च कर दिया गया है। ये एंड्रॉयड 14 बेस्ड मेजिक ओएस 8.0 पर चलते हैं। दोनों ही स्मार्टफोन्स में 50 एमपी ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दिया गया है।

इनमें 5,200 एमएएच की बैटरी और 100वॉट वायर्ड फास्ट चार्जिंग सपोर्ट मौजूद है। प्रो मॉडल में डुअल फ्रंट कैमरा मॉड्यूल भी दिया गया है। ये फोन देश में 20 जुलाई को 12 बजे (मिडनाइट) आईएसटी से कंपनी की वेबसाइट, अमेजन और चुनिंदा ऑफलाइन रिटेल स्टोर पर बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। कंपनी ने 20 जुलाई और 21 जुलाई को अमेजन प्राइम डे सेल के दौरान हॉनर 200 5जी सीरीज के हैंडसेट की खरीद पर स्पेशल ऑफर की भी घोषणा की है। इस दौरान आईसीआईसीआई या एसबीआई क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने वाले ग्राहक 3,000 रुपये की छूट का फायदा उठा सकते हैं। खरीदार कुछ एडिशनल कंडीशनल ऑफर के लिए भी एलिजिबल हो सकते हैं, जिसमें 8,000 रुपये तक की तत्काल छूट और 8,499 रुपये तक की मुफ्त हॉनर एक्सेसरीज शामिल हैं।

दोनों ही हैंडसेट्स को मई में चीन में लॉन्च किया गया था और पिछले महीने ग्लोबल मार्केट्स में। भारत में हॉनर 200 5जी की कीमत 8 जीबी प्लस 256जीबी ऑप्शन के लिए 34,999 रुपये से शुरू होती है। जबकि 12जीबी + 512जीबी वैरिएंट की कीमत 39,999 रुपये रखी गई है। वहीं, हॉनर 200 प्रो 5जी की कीमत सिंगल 12जीबी + 512जीबी वेरिएंट के लिए 57,999 रुपये है। स्टैंडर्ड मॉडल ब्लैक और मूनलाइट वाइट कलरवे में उतारा गया है। जबकि, हॉनर 200 प्रो 5जी को ब्लैक और ओशियन सियान शेड्स में पेश किया गया है।

चौथी पीढ़ी के एक्स-ट्रेल को लॉन्च करने वाली है निसान

7-सीटर एसयूवी का 210 मिमी है ग्राउंड क्लीयरेंस

नई दिल्ली। चौथी पीढ़ी के एक्स-ट्रेल को निसान कंपनी जल्द लॉन्च करने वाली है। कंपनी के अनुसार, इस एसयूवी को सीबीयू के ज़रिए आयात किया जाएगा। भारत में इसे थ्री- रो एडिशन में लाया जाएगा। इसमें स्प्लिट-हेडलैंप सेटअप, डार्क क्रोम में तैयार वी-मोशन ग्रिल, प्लास्टिक क्लैडिंग के साथ गोल व्हील आर्च, डायमंड-कट अलॉय व्हील और रैपराउंड एलईडी टेल शामिल हैं। एक्स-ट्रेल डायमंड ब्लैक, शैंपेन सिल्वर और पर्ल व्हाइट कलर ऑप्शन में अवेलेबल होगी। एक्स-ट्रेल की लंबाई 4,680 मिमी, चौड़ाई 1,840 मिमी, ऊंचाई 1,725 मिमी और व्हीलबेस 2,705 मिमी लंबा है। 7-सीटर एसयूवी का 210 मिमी ग्राउंड क्लीयरेंस है और यह 255/45 आर 20 टायर के साथ आती है। टीजर से पता चलता है कि एक्स-ट्रेल में डुअल-पैन पैनोरमिक सनरूफ, डुअल-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल, 8-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट, 12.3-इंच डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, वायरलेस स्मार्टफोन चार्जर होगा। इस एसयूवी को सीबीयू के रूप में लाया जाएगा तो इसकी कीमत 40 लाख-45 लाख रुपये के बीच होने की उम्मीद है। यह इसे टोयोटा फॉर्च्यूनर (33.43 लाख-51.44 लाख* रुपये), इसके लीजेंडर डेरिवेटिव (43.66 लाख-47.64 लाख* रुपये), स्कोडा कोडियाक (39.99 लाख रुपये), एमजी ग्लोस्टर (38.80 लाख रुपये) को टक्कर देगी। अन्य विशेषताओं में ड्राइव मोड, ऑटो-होल्ड फ़ंक्शन के साथ एक इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक और क्रूज़ कंट्रोल शामिल होगा। सेफ्टी के लिहाज से एक्स-ट्रेल में 7 एयरबैग, ऑटो वाइपर, एबीएस और ईबीडी, ट्रैक्शन कंट्रोल, एक सीमित-स्लिप अंतर, हिल-स्टार्ट असिस्ट और फ्रंट पार्किंग सेंसर शामिल हैं। इस एसयूवी को 1.5-लीटर तीन-सिलेंडर टर्बो-पेट्रोल इंजन के साथ पेश किया जाएगा और यह 12वी माइल्ड-हाइब्रिड सिस्टम के साथ आता है जो 163एचपी और 300 एनएम का उत्पादन करता है।

कार को टैक्सी की तरह इस्तेमाल करने पर नहीं मिलेगा बीमा, इसलिए रखें कुछ बातों का ख्याल

नई दिल्ली। बीमा कंपनियां वाहन बीमा दावों की प्रक्रिया सरल बनाने का प्रयास कर रही हैं। एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के जरिये गाड़ी के निरीक्षण की तकनीक को व्हाट्सऐप चैटबॉट पर डाल दिया है। इससे ग्राहक 20,000 रुपए तक होने वाले नुकसान के दावे तुरंत निपटा लेंगे। पॉलिसी बाजार ने क्लेम एश्योरेंस प्रोग्राम शुरू किया, जिसमें ग्राहकों को उनके दावे के लिए खास क्लेम मैनेजर मिलेगा और गाड़ी को नेटवर्क के गैराज तक ले जाने की सुविधा भी मिलेगी। कंपनियां तो सब कर रही हैं मगर ग्राहकों को भी कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए जिनकी वजह से दावे खारिज हो सकते हैं। एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस में निदेशक और चीफ बिजनेस ऑफिसर पार्थनील घोष कहते हैं कि अगर दावा पॉलिसी की जोखिम अवधि खत्म होने के बाद किया गया है तो कंपनी उसे खारिज कर देगी। वाहन बीमा वाहनों की खास श्रेणियों के लिए बेचा जाता है। अगर आप निजी कार के लिए बीमा ले रहे हैं तो आपसे निजी इस्तेमाल के हिसाब से ही प्रीमियम लिया जाएगा। अगर आप अपनी कार को टैक्सी की तरह इस्तेमाल करते है और दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं तो आपका दावा नहीं माना जाएगा। थर्ड पार्टी बीमा के बगैर गाड़ी चलाने पर भी दावे खारिज हो सकते हैं। पॉलिसीबाजार डॉट कॉम में हेड संदीप सराफ कहते हैं कि मोटर यान अधिनियम के मुताबिक हरेक ग्राहक के पास वैध थर्ड पार्टी बीमा होना चाहिए। अगर ग्राहक उसके बगैर दावा करता है तो खारिज कर दिया जाएगा। वाहनों को मोटर यान अधिनियम का पालन करते हुए सार्वजनिक सड़कों पर ही चलाया जाना चाहिए। अगर रजिस्ट्रेशन के बगैर या शराब पीकर या वैध लाइसेंस के बगैर गाड़ी चलाते हैं तो भी आपका दावा खारिज हो सकता है। आप नो क्लेम बोनस की गलत जानकारी देते हैं और प्रीमियम कम करा लेते हैं तो भी आपका दावा खारिज हो सकता है।

कल्कि 2898 एडी इतिहास रचने की ओर

600 करोड़ से इंचभर है दूर

प्रभास स्टारर फिल्म 'कल्कि 2898 एडी बॉक्स ऑफिस पर तूफान नहीं हुई है. इस साइंस-फाई फिल्म का क्रेज देखते ही बन रहा है. फिल्म की धुआंधार ओपनिंग के बाद इसने पहले और दूसरे हफ्ते में दबाकर कमाई की और तमाम फिल्मों के रिकॉर्ड भी तोड़े. वहीं तीसरे हफ्ते में भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही है.चलिए यहां जानते हैं 'कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 21वें दिन कितने करोड़ कमाए हैं? 'कल्कि 2898 एडी की बॉक्स ऑफिस पर रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही है. फिल्म की दमदार कहानी, धांसू वीएफएस और मल्टी स्टार कास्ट इसे दर्शकों के बीच पॉपुलर बनाए हुए हैं. इसी के साथ ये फिल्म साल 2024 की सबसे बड़ी फिल्म चुकी है. 'कल्कि 2898 एडी की कमाई की बात करें तो फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 95.3 करोड़ से खाता खोला था. इसके बाद फिल्म ने पहले हफ्ते में 414.85 करोड़ कमाए. दूसरे हफ्ते में फिल्म का कलेक्शन 128.5 करोड़ रुपये रहा. वहीं तीसरे हफ्ते की बात करें तो थर्ड फ्राइडे फिल्म ने 6 करोड़, तीसरे शनिवार 14.35 करोड़, तीसरे संडे 16.45 करोड़, तीसरे मंडे 4 करोड़ और तीसरे मंगलवार 5.1 करोड़ की कमाई की. वहीं अब फिल्म की रिलीज के 21वें दिन यानी तीसरे बुधवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'कल्कि 2898 एडी ने 21वें दिन 6.50 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसके बाद 'कल्कि 2898 एडी की 21 दिनों की कुल कमाई अब 595.75 करोड़ रुपये हो गई है. 'कल्कि 2898 एडी की कमाई में सोमवार को गिरावट आई थी लेकिन फिर फिल्म ने एक बार फिर तेजी पकड़ी है और मंगलावर के बाद बुधवार को भी फिल्म ने मुहर्रम की छुट्टी पर कमाई में तेजी देखी है. इसी के साथ ये फिल्म 600 करोड़ का आंकड़ा छूने से इंचभर दूर रह गई है.

तापसी पन्नू स्टार फिर आई हसीन दिलरुबा की रिलीज डेट आई सामने,

दिखेगी प्यार, धोखा और अपराध की दिल दहलाने वाली कहानी

तापसी पन्नू साल 2021 में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर एक फिल्म लेकर आईं थीं, जिसका नाम था हसीन दिलरुबा. यह एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म थी, जिसकी कहानी ने सभी का दिल जीत लिया था. फिल्म में तापसी के अलावा विक्रांत मैसी और हर्षवर्धन राणे भी अहम भूमिका में नजर आए थे. फिल्म की कहानी एक ऐसी पत्नी की होती है, जिसके पति की हत्या में शक उसपर गहराता है. अब मेकर्स इस फिल्म का दूसरा पार्ट रिलीज करने वाले हैं, जिसकी रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है. अब तापसी पन्नू फिर से हसीन दिलरुबा बनकर लौटने वाली हैं. नेटफ्लिक्स पर यह फिल्म रिलीज होने वाली है, जिसकी रिलीज डेट से मेकर्स ने पर्दा उठा दिया है. इस फिल्म की घोषणा कुछ वक्त पहले मेकर्स ने एक छोटे से टीजर के जरिए की थी. तब से फैंस इस फिल्म के ओटीटी पर रिलीज होने का इंतजार कर रहे थे. अब रिलीज डेट के लिए भी मेकर्स ने एक शानदार टीजर रिलीज किया है, जो कि काफी रोमांचक है. टीजर की शुरुआत ऋषि कपूर की फिल्म कर्ज के गाने इस हसीना

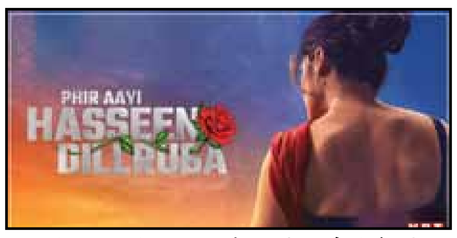

थी, इक दीवाना था के जरिए होती है. फिर तापसी पन्नू की किताब के साथ एक फोटो सामने आती है और आवाज आती है कि '9 अगस्त को टपकेगा खून, आएगा कातिलाना मानसून . इसके बाद विक्रांत मैसी की एंट्री होती है और किताब पर लिखा होता है, '9 अगस्त की हसीन रात दिलरुबा के साथ . फिल्म में इस बार विक्की कौशल के भाई सनी कौशल भी नजर आए हैं. उनकी एंट्री के साथ किताब पर लिखा होता है, '9 अगस्त को दिल पिघलेंगे, इश्क का जहर निगलेंगे . फिर वॉइसओवर चलता है कि, 'सबको इश्क का पाठ पढ़ाने फिर आई हसीन दिलरुबा 9 अगस्त को सिर्फ नेटफ्लिक्स पर . बता दें कि इस फिल्म के पहले पार्ट में तापसी पन्नू ने रानी का किरदार निभाया हैं और विक्रांत मैसी ऋषभ सक्सेना उनके पति की भूमिका में होते हैं. हसीन दिलरुबा विनी मैथ्यू द्वारा निर्देशित और कनिका ढिल्लन द्वारा लिखित है. इसके अलावा तापसी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह अगली बार अपनी कॉमेडी ड्रामा फिल्म वो लड़की है कहां में नजर आने वाली हैं. फिल्म में उनके साथ प्रतीक बब्बर और प्रतीक गांधी भी नजर आएंगे. फिल्म अरशद सैयद द्वारा लिखित और निर्देशित है.

दर्शकों के लिए तरस रही सरफिरा

6 दिन में 20 करोड़ भी नहीं कमा पाई फिल्म

अक्षय कुमारा की फिल्मों का दर्शक बेसब्री से इंतजार करते हैं, लेकिन उनकी कई पिछली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।बड़े मियां छोटे मियां के बाद सरफिरा से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन ये फिल्म भी दर्शकों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाई है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सरफिरा ने अपनी रिलीज के छठे दिन 2 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 17.40 करोड़ रुपये हो गया है।सरफिरा में अक्षय की जोड़ी पहली बार राधिका मदान के साथ बनी है। परेश रावल और सीमा बिस्वास भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं।सरफिरा दक्षिण भारतीय अभिनेता सूर्या की सुपरहिट फिल्म सोरारई पोटरू की आधिकारिक हिंदी रीमेक है, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। 'सरफिरा की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस काफी झटका देने वाली है. काफी बज के बावजूद ये फिल्म सिनेमाघरों में दर्शको के लिए तरस रही है. हैरानी की बात ये है कि फिल्म को रिलीज हुए एक हफ्ता होने वासा है और ये 20 करोड़ का कलेक्शन भी नहीं कर पाई है. वहीं बता दें, 'सरफिरा को प्रभास और दीपिका पादुकोण स्टारर 'कल्कि 2898 एडी से कड़ी टक्कर मिल रही है और इस शुक्रवार को विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क स्टारर 'बैड न्यूज़ के साथ भी अक्षय कुमार की फिल्म को कड़ा मुकाबला करना पड़ेगा. अब यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में 'सरफिरा बॉक्स ऑफिस पर कैसा परफॉर्म कर पाती है.

रिवीलिंग साड़ी में दिशा पाटनी ने बिखेरा जलवा

अदाएं देख तेज हो गईं फैंस की धड़कनें

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में एथनिक आउटफिट में उनका हॉट लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। एक्ट्रेस दिशा पाटनी हमेशा अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका स्टनिंग अवतार इंटरनेट पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर कहर बरपा रहा है। दिशा पाटनी जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने रिवीलिंग व्हाइट कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा गॉर्जियस नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को और भी ज्यादा खूबसूरती से निखारने के लिए बालों को ओपन वेवी स्टाइल लुक देकर अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी लंबी है। दिशा पाटनी को हाल ही में कल्कि मूवी में देखा गया। इस फिल्म में उनके किरदार को लोगों ने काफी पसंद किया।

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 का ट्रेलर रिलीज

डरते-डरते हंसने के लिए हो जाएं तैयार

साल 2018 में फिल्म स्त्री आई थी जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट हुई थी. अब उस फिल्म का दूसरा पार्ट स्त्री 2 आ रही है और वो इसी साल 15 अगस्त के दिन थिएटर्स में रिलीज होगी. फिल्म के पोस्टर्स और टीजर तो पहले रिलीज हो चुके हैं लेकिन आज फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है,रद्धा कपूर ने फिल्म स्त्री 2 का ट्रेलर शेयर किया है. काफी दिनों से इसका प्रमोशन हो रहा था लेकिन अब इसका ट्रेलर उन्होंने शेयर किया है. उन्होंने लिखा, ये रहा ट्रेलर..भारत का सबसे ज्यादा इंतजार करने वाला गैंग वापस आ गया है. जो चंदेरी का नये आतंक को खत्म करने के लिए लड़ेंगे. फिल्म का ट्रेलर जियो स्टिडियो के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया. जिसके बाद इस फिल्म से जुड़े सभी लोगों ने अपने-अपने इंस्टाग्राम पर इसे शेयर किया. फिल्म में स्त्री (2018) के ही ज्यादातर सितारे नजर आएंग. इनमें राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकारों का नाम शामिल है. फिल्म 15 अगस्त को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी. फिल्म की कहानी वहीं से शुरू होगी जब पिछली स्त्री (2018) में एक महिला की आत्मा चंदेल गांव के पुरुषों से बदला लेती थी. बाद में उसकी अधूरी इच्छा को पूरा करके उसे शांत किया गया था. अब स्त्री 2 के ट्रेलर को देखकर लगता है कि इसमें कोई पुरुष लड़कियों को उठाएगा जो बहुत ही खूंखार है. हर कोशिश करने के बाद फिर विक्की और उसकी गैंग स्त्री (2018) को जगाते हैं जो गांव वालों को उससे बचा सके. फिल्म का ट्रेलर काफी मजेदार है और इसके देखने के बाद आपको इसकी रिलीज डेट का बेसब्री से इंतजार होने लगेगा. साल 2018 में आई फिल्म स्त्री ने दर्शकों का दिल जीता था और बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी. मेकर्स को स्त्री 2 से भी काफी उम्मीदें हैं.

बैड न्यूज का नया गाना रब्ब वरगा रिलीज, विक्की और तृप्ति की केमिस्ट्री ने जीता दिल

बैड न्यूज इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। यह फिल्म रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस बीच दर्शकों का उत्साह बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना जारी किया है, जो एक रोमांटिक गाना है, जिसे विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी के बीच फिल्माया गया है।

दोनों इस गाने में रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं और खूबसूरत जगहों पर रोमांस का तड़का लगा रहे हैं। नए गाने का शीर्षक रब्ब वरगा है। फिल्म बैड न्यूज की रिलीज से ठीक एक दिन पहले एल्बम का एक नया गाना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लॉन्च किया गया। रब्ब वरगा अभिजीत श्रीवास्तव द्वारा रचित एक खूबसूरत रचना है, जिसे जुबिन नौटियाल की मधुर आवाज में गाया गया है, जिसमें शायरा अपूर्वा के दिल को छू लेने वाले बोल हैं। फराह खान गाने में विक्की और तृप्ति की कोरियोग्राफी हैं। इस म्यूजिक वीडियो में विक्की कौशल के किरदार अखिल और तृप्ति डिमरी के किरदार सलोनी के बीच रोमांस दिखाया गया है। रंग-बिरंगे कपड़े पहने वे क्रोएशिया के खूबसूरत स्थानों पर अपने प्यार के रोमांस का लुत्फ उठाते हैं। इसकी आकर्षक धुनें और दृश्य सौंदर्य इस सीजन का रोमांटिक गाना दर्शकों के सामने पेश कर रहे हैं। संगीत वीडियो के शुरुआत में दिए गए स्पष्टीकरण से पता चला कि यह गीत केवल प्रचार के लिए है और यह फिल्म का हिस्सा नहीं होगा। विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी के साथ बैड न्यूज में एमी विर्क और नेहा धूपिया भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। कहानी हेटेरोपैटरनल सुपरफेकंडेशन की घटना के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां तृप्ति के किरदार को पता चलता है कि वे दो अलग-अलग पिताओं से जुड़वां बच्चों की मां बनने वाली है। इससे अराजकता फैलती है और दो पिता, विक्की और एमी उनका प्यार जीतने के लिए होड़ में लग जाते हैं। फिल्म की कहानी इशिता मोइत्रा और तरुण डुडेजा ने लिखी है और इसका निर्देशन आनंद तिवारी ने किया है। हीरू यश जौहर, करण जौहर, अपूर्व मेहता, अमृतपाल सिंह बिंद्रा और आनंद तिवारी ने फिल्म को निर्मित किया है। यह फिल्म आज 19 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नागवधू में बोल्ड सीन्स को लेकर पहले डरी हुई थीं सुबुही जोशी

मशहूर एक्ट्रेस सुबुही जोशी टीवी इंडस्ट्री में अपनी एक्टिंग और कॉमेडी टाइमिंग के लिए जानी जाती हैं। इन दिनों वह वेब सीरीज नागवधू: एक जहरीली कहानी में बोल्ड सीन्स को लेकर चर्चाओं में है। सीरीज में उनके काम को लेकर मिल रही दर्शकों की प्रतिक्रिया से वह बेहद खुश हैं। नागवधू: एक जहरीली कहानी में सुबुही जोशी नई दुल्हन आभा के किरदार में हैं। सुबुही ने कहा, मुझे लगता है कि कुल मिलाकर, मुझे बहुत पॉजिटिव रिस्पांस मिला। मैं बहुत डरी हुई थी, क्योंकि मैंने कुछ बोल्ड सीन किए थे। लेकिन, सभी ने इसके बारे में अच्छी बातें कहीं, क्योंकि स्क्रीन पर बिल्कुल भी ऐसा नहीं लग रहा था कि यह गैर-जरूरी हो। मुझे कुल मिलाकर बहुत अच्छे कमेंट्स मिले हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि फीडबैक बहुत पॉजिटिव रहा है। दर्शकों को यह कहानी के लिए जरूरी और दिलचस्प लगा, जो मेरे लिए राहत की बात थी। तारीफों ने सीन्स की सुंदरता को बढ़ा दिया। सुबुही ने कहा कि वह सभी तरह के प्रोजेक्ट करने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे नागवधू जैसा कुछ फिर से करने में कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि कहानी के लिहाज से, यह अच्छा था। जिन चीजों को लेकर मैं सबसे ज्यादा डर रही थी, वे असल में अच्छी निकलीं, इसलिए मुझे उन्हें फिर से करने में कोई आपत्ति नहीं है। सुबुही ने इस बात पर भी जोर दिया कि एक एक्टर के लिए हर नए प्रोजेक्ट के साथ खुद को फिर से तलाशना बहुत जरूरी है। एक्ट्रेस ने कहा, हर प्रोजेक्ट के साथ आपको नई चीजें करने और नए किरदार निभाने का मौका मिलता है। यह नयापन दर्शकों को जोड़े रखने के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि दर्शकों के पास कंटेंट के कई ऑप्शन हैं, जिससे ऑडियंस का अटेंशन पाना मुश्किल हो जाता है।